दैनिक
क्यूँ न लिखूँ सच
प्रातः कालीन
मुरादाबाद से प्रकाशित
बर्षः- 05
अंकः- 198
मुरादाबाद
(Monday)
10 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

उत्तराखंड रजत जयंती: गढ़वाली में संबोधन, पीएम मोदी ने गिनाईं 25 वर्षों की उपलब्धियां

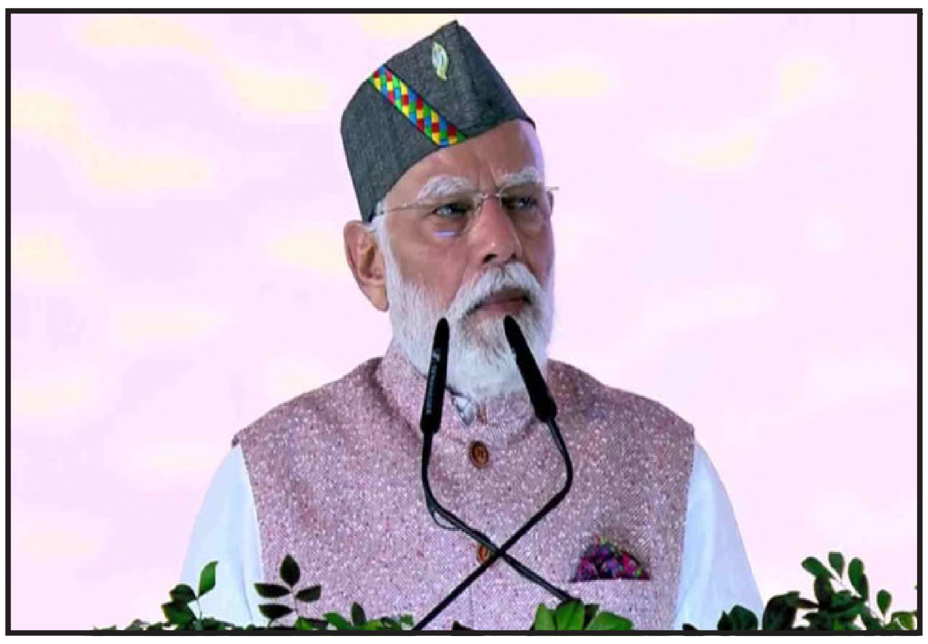

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज देहरादून में आयोजित उत्तराखंड रजत जयंती समारोह में शामिल हुए।उत्तराखंड राज्य स्थापना के आज 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं। एफआरआई में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। उन्होंने एक स्मारक डाक टिकट जारी करने के साथ ही जनसमूह को संबोधित भी किया। इसके साथ ही रजत जयंती समारोह में प्रदेश को 8260 करोड़ की योजनाओं की सौगात भी दी। कहा विकास की यात्रा अद्भुत रही है। यह हर उत्तराखंडी के संकल्प का नतीजा है। पीएम मोदी ने अपने भाषण की शुरुआत गढ़वाली भाषा में जनता के अभिवादन से की। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड का मेरा भाई बंधो, भैया भूली, आप सभी को मेरा नमस्कार। पीएम ने गढ़वाली में कहा कि %2047 मा भारत थे विकसित देशों की लेन मा ल्याण थुणी म्यारो उत्तराखंड मेरो देवभूमि पूरी तरह से त्यार छिन। उपलब्धियां गिनाते हुए उन्होंने कहा कि पहले उत्तराखंड का बजट चार हजार करोड़ था। आज ये बढ़कर एक लाख करोड़ रुपये को पार कर चुका है। कहा कि उत्तराखंड ऊर्जा प्रदेश बना है। बिजली उत्पादन चार गुना ज्यादा हो गया है। यहां रोड कनेक्टिविटी पर बेहतर काम हो रहा है। सड़कों की लंबाई बढ़कर दोगुनी हो गई है। प्रदेश में हवाई यात्रा को बढ़ावा मिला है। पहले हवाई जहाज से छह महीने में चार हजार यात्री आते थे। अब एक दिन में चार हजार यात्री हवाई जहाज से आते हैं। प्रदेश में इंजीनियरिंग कॉलेजों की संख्या बढ़ी है। पहले एक मेडिकल कॉलेज था। आज यहां दस मेडिकल कॉलेज हैं। वैक्सीन कवरेज का दायरा पहले 25 फीसदी भी नहीं था। आज हर गांव वैक्सीन कवरेज के दायरे में आ गया है। कहा कि आध्यात्मिक जीवन की धड़कन है उत्तराखंड। शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, खेल से जुड़े प्रोजेक्ट यहां विकास की यात्रा को आगे बढ़ाएंगे।आज राज्य में दो लाख से अधिक की परियोजनाओं का काम चल रहा है। जो युवाओं को रोजगार देने में गेम चेंजर साबित होंगी। पीएम ने कहा कि %जहां चाह वहां राह%। हमें पता होगा कि हमारा लक्ष्य क्या है तो निश्चित ही हम आगे बढ़ेंगे। उत्तराखंड ने इसे साबित कर दिखाया है। यहां आयुर्वेदिक जड़ी बूटियों की मांग बढ़ी है। यहां हर विधानसभ में योग केंद्र, होम स्टे, एक कंप्लीट पैकेज यहां बनने चाहिए। पहाड़ी भोजन को पर्यटकों की परोसना होगा। इससे वे खुश होंगे यही चीज है जो उन्हें यहां दोबारा खीचेंगी। स्थानीय मेलों और पर्वों को लाने के लिए एक जिला एक मेला जैसा अभियान चलाया जा सकता है। जिससे फूलदेई, हरेला जैसे त्योहार ग्लोबल मैप पर दिखें। डेमोग्राफिक चेंज, भूमि अतिक्रमण जैसे मुद्दों पर भी धामी सरकार ने बेहतर काम किया है। आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जनता की हर संभव मदद का प्रयास किया है।

राकेश टिकैत बोले- 50 रुपये और बढ़े गन्ने का मूल्य..., भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने टिकैत को लेकर ये कहा

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बड़ौत पहुंचे और राज्यमंत्री केपी मलिक के भाई के निधन पर शोक जताया। साथ ही राकेश टिकैत पर निशाना साधा। वहीं राकेश टिकैत खेकड़ा में आयोजित समारोह में पहुंचे और गन्ना मूल्य बढ़ाने की मांग की।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बड़ौत में राकेश टिकैत पर निशाना साधते हुए कहा कि टिकैत न तो कोई सक्रिय किसान नेता बचे हैं और न ही चुनावी मैदान में हैं। वह केवल विपक्ष का मोहरा बने हुए हैं और किसी भी तरह से किसानों के हितैषी नहीं हैं।भूपेंद्र चौधरी शनिवार को बड़ौत में राज्यमंत्री केपी मलिक के भाई रविंद्र मलिक के निधन पर शोक जताने पहुंचे थे। उनके साथ ही राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने परिवार को सांत्वना दी। वहां भूपेंद्र चौधरी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वंदे मातरम केवल राष्ट्रीय गीत नहीं, राष्ट्र की आत्मा है। उन्होंने बताया कि योग्य मतदाताओं को अब एसआईआर पोर्टल के माध्यम से मतदाता सूची में जोड़ा जाएगा, जिससे मतदान प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष बनेगी।उन्होंने कहा कि सरकार हर वर्ग को ध्यान में रखते हुए कार्य कर रही है। पहली सरकारों में केवल अपराधियों को बढ़ावा दिया जाता था और अब अपराधियों का सफाया होता है। विकास भी हर जगह हो रहा है। इस मौके पर सुधीर मान, पुष्पेंद्र तोमर, रविंद्र आर्य, पवन शर्मा आदि मौजूद रहे।

गन्ने पर 50 रुपये और बढ़ाए प्रदेश सरकार – राकेश टिकैत

खेकड़ा के मवीकलां गांव में शादी समारोह के दौरान भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि सरकार को 2027 के चुनाव से पहले गन्ने का मूल्य 50 रुपये और बढ़ाना चाहिए। वह भाकियू के जिला प्रभारी विनोद कुमार की बेटी के शादी समारोह में मवीकलां गांव पहुंचे थे। राकेश टिकैत ने कहा कि गन्ने बकाया का भुगतान भी जल्द कराना चाहिए, ताकि किसान परेशान न हों। यमुना नदी में आई बाढ़ से बर्बाद हुई फसलों का किसानों को शीघ्र मुआवजा दिया जाए। ऊर्जा निगम जो स्मार्ट मीटर लगवा रहा है उनपर रोक लगानी चाहिए। आगामी चुनाव से पहले अपने घोषणा पत्र में जो वादे सरकार ने किए थे उनको पूरा करने पर ध्यान देना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

पंडित धीरेंद्र शास्त्री को भारत रत्न देने की मांग, मथुरा के संत ने प्रधानमंत्री को खून से लिखा पत्र

सनातन हिंदू एकता पदयात्रा निकाल रहे पंडित धीरेंद्र शास्त्री के लिए भारत रत्न की मांग की गई है। इसको लेकर मथुरा के संत ने प्रधानमंत्री को खून से पत्र लिखा है। बागेश्वर धाम सरकार के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को भारत रत्न देने की मांग की गई है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर केस के मुख्य याचिकाकर्ता दिनेश फलाहारी महाराज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने खून से पत्र लिखकर यह मांग रखी है।वृंदावन के महामंडलेश्वर राधा नंद गिरी के आश्रम में दिनेश फलाहारी महाराज ने ये पत्र लिखा। कहा कि धीरेंद्र शास्त्री ने विश्वभर के सनातनियों को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। वो जाति-पाति, ऊंच-नीच से ऊपर उठकर, हर हिंदू को एकजुट करने का प्रयास कर रहे हैं। प्रधानमंत्री से निवेदन किया है कि धीरेंद्र शास्त्री को भारत रत्न से सम्मानित किया जाए। उन्होंने जो कार्य किया है, वह सनातन धर्म के उत्थान और एकता के लिए अमूल्य है।फलाहारी महाराज का कहना है कि धीरेंद्र शास्त्री हनुमान जी के परम भक्त हैं। उन्होंने कठिन यात्राएं करके हिंदू समाज को जागरूक किया है और हिंदू राष्ट्र की दिशा में एक नई सोच को जन्म दिया है।

बिहार में सीएम योगी: बोले- 'पंचर बनाने वाले आकर विकास को पंचर कर देंगे', कांग्रेस-राजद पर किए जोरदार हमले

बिहार विधानसभा चुनाव के 11 नवंबर को होने वाले दूसरे चरण के मतदान के लिए रविवार को प्रचार का अंतिम दिन है। इस दिन सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को नरपतगंज हाई स्कूल स्टेडियम में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों कांग्रेस, राजद और समाजवादी पार्टी पर सीधा प्रहार किया। चुनाव प्रचार के अंतिम दिन की अररिया जनपद में आयोजित इस जनसभा के जरिए यूपी के मुख्यमंत्री ने खुलकर कहा कि बिहार में फिर से %जंगलराज% लाने की कोशिश करने वालों को रोकना जरूरी है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पंचर बनाने वाले यहां आकर विकास को पंचर करने का काम करना चाहते हैं। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में चेताया कि नरपतगंज को किसी भी तरह से %घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड% नहीं बनने देना है।भारत को स्वर्ण युग देने वाले बिहार को महागठबंधन ने बना दिया बीमारू- यूपी के मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस बिहार ने दुनिया को नालंदा विश्वविद्यालय और ज्ञान की रोशनी दी, उसी बिहार को कांग्रेस और राजद की जोड़ी ने निरक्षरता और अराजकता की तरफ धकेल दिया। उन्होंने कहा कि इस धरती ने मां जानकी, महात्मा बुद्ध और भगवान महावीर को जन्म दिया है। यही धरती आर्यभट्ट, चाणक्य और चंद्रगुप्त मौर्य की धरती है, लेकिन कांग्रेस-राजद ने इस पवित्र भूमि को जातीय विभाजन और माफियागीरी से कलंकित किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और राजद ने समाज को जाति के नाम पर बांटा, सरकारी खजानों की लूट मचाई और बिहार के नौजवानों को बेरोजगार बनाया। इनकी करनी से बिहार बीमारू बन गया, जबकि यह वही भूमि है जिसने भारत को स्वर्ण युग दिया।यूपी में माफिया पर बुलडोजर चलाकर हड्डी पसली एक कर दी जाती है

यूपी के सीएम ने विपक्षी गठबन्धन पर सीधे-सीधे आरोप लगाया कि कांग्रेस, राजद और उनके सहयोगी जातिगत विभाजन और माफिया-समर्थन के जरिए बिहार में अराजकता के लिए जम्मिेदार हैं। सभा में योगी ने यह भी कहा कि यूपी में माफिया पर बुलडोजर चलता है और उसकी हड्डी पसली एक कर दी जाती है। माफिया द्वार कब्जा की गई जमीन पर गरीबों के लिए हवेलियां बनाई जा रही हैं। जाति को जाति से लड़ाता है महागठबंधन - योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बिहार जब से कांग्रेस-राजद के दौर से बाहर आया है, तब से ही विकास की राह खुली है। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी जाति को जाति से लड़ाने और खानदानी माफिया को संरक्षण देने में लगे रहे, वे अब फिर से वही हालात पैदा करना चाहते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और राजद ने मिलकर समाज को बांटा, नौजवानों के अवसर छिने और किसानों तथा सामान्य जनता को विषम हालात में डाल दिया। यूपी में न कर्फ्यू न दंगा, वहां सब चंगा - योगी आदित्यनाथ ने यूपी के पिछले साढ़े आठ साल के डबल इंजन शासन का जिक्र कर कहा कि वहां कर्फ्यू और दंगे अब नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यूपी न कर्फ्यू न दंगा है, वहां सब चंगा है। वह इसे एनडीए के सुशासन की सफलता के रूप में पेश करते दिखे। उन्होंने बिहार के विकास के लिए नितीश कुमार के नेतृत्व वाली सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि 2005 के बाद से बिहार में रोड, बिजली, पेयजल, शैक्षणिक और चिकित्सा संस्थानों की श्रृंखला बनकर आई है और मोदी जी के नेतृत्व में पिछले 11 साल में यह और भी तेज हुआ। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में राममंदिर के निर्माण और उससे जुड़े विकास कार्यों का भी संदर्भ देते हुए कहा कि आस्था और विकास दोनों का सम्मान एनडीए ही करेगा। %रामलला हम आएंगे% से भव्य अयोध्या धाम% तक- यूपी के मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राममंदिर निर्माण का उदाहरण देते हुए कहा कि एनडीए जो कहता है, वह कर के दिखाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देकर कहा था कि राम तो हुए ही नहीं। आरजेडी ने रथयात्रा को रोका था और समाजवादी पार्टी ने रामभक्तों पर गोली चलाई थी। लेकिन आज अयोध्या में भगवान श्रीराम विराजमान हैं और भव्य राममंदिर बन चुका है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि, निषादराज, माता शबरी और जटायू जैसी पवित्र विभूतियों की स्मृति में स्थल बनाए गए हैं।

जांच जारी है, सच्चाई जल्द सामने आएगी, बेटे की कंपनी से जुड़े जमीन सौदे पर बोले अजित पवार

महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम अजित पवार ने अपने बेटे पार्थ पवार की कंपनी से जुड़े जमीन सौदे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने ने मामले में कहा कि इसकी जांच की जा रही है और सच्चाई जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि जिन लोगों का नाम एफआईआर में है, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने रविवार को कहा कि पुणे में उनके बेटे की कंपनी से जुड़ी कथित सरकारी जमीन की बिक्री के मामले में जांच शुरू हो गई है और सच्चाई जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी। पुणे जिले के बारामती में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अगर उनके रिश्तेदार या करीबी लोग उनका नाम लेकर किसी तरह का गलत बयान देते हैं या नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो प्रशासन को उन पर कार्रवाई करनी चाहिए।40 एकड़ जमीन की बिक्री से जुड़ा मामला- यह मामला पुणे के मुंधवा इलाके की करीब 40 एकड़ जमीन की बिक्री से जुड़ा है, जिसे लगभग 300 करोड़ रुपये में एक कंपनी, अमाडिया एंटरप्राइजेज, को बेचा गया था। इस कंपनी में अजित पवार के बेटे पार्थ पवार साझेदार हैं। हालांकि, इस मामले में दर्ज दो एफआईआर में पार्थ पवार का नाम नहीं है। वहीं इस मामले में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा था कि जमीन सौदे की जांच कानून के मुताबिक की जा रही है और किसी को बख्शा नहीं जाएगा। %एक रुपये का लेन-देन हुए बिना रजिस्ट्री कैसे हुई?%- जब अजित पवार से इस सौदे पर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, %मैंने बीते कुछ दिनों में इस पर अपना पक्ष स्पष्ट कर दिया है। जांच शुरू हो चुकी है और सच्चाई जल्द सामने आएगी। मुझे अब तक यह समझ नहीं आया कि एक रुपये का लेन-देन हुए बिना रजिस्ट्री कैसे हो गई? एक महीने में सब साफ हो जाएगा कि रजिस्ट्री करने वाले ने ऐसा क्यों किया।% वहीं, अजित पवार ने बताया कि उनके बेटे पार्थ की कंपनी की तरफ से की गई बिक्री रद्द कर दी गई है। %चुनाव से पहले हम पर लगते हैं आरोप%- उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में जांच समिति गठित कर दी है। उन्होंने कहा, %पहले भी मुझ पर 70000 करोड़ रुपये की अनियमितता के आरोप लगे थे, अब 15-16 साल हो चुके हैं। हर चुनाव से पहले हमारे खिलाफ ऐसे आरोप लगाए जाते हैं। हम पारदर्शी तरीके से काम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जैसे ही कोई चुनाव आता है, लोग पुरानी जमीनें खोदने लगते हैं।% उन्होंने यह भी कहा कि अगर उनके किसी करीबी या रिश्तेदार ने उनके नाम का गलत इस्तेमाल किया है, तो प्रशासन को कार्रवाई करनी चाहिए। बता दें कि महाराष्ट्र में स्थानीय निकायों के चुनाव 2 दिसंबर को होने वाले हैं। कीमत करीब 1800 करोड़ रुपये है। अधिकारियों के मुताबिक, कंपनी को अब रजिस्ट्री रद्द कराने के लिए दोगुना स्टांप ड्यूटी, करीब 42 करोड़ रुपये, जमा करनी होगी। कैसे हुआ मामले का खुलासा?- यह मामला तब दर्ज हुआ जब इंस्पेक्टर जनरल ऑफ रजिस्ट्रार ऑफिस की शिकायत पर पिंपरी चिंचवड़ पुलिस ने दिग्विजय पाटिल, शीतल तेजवानी (जो 272 मालिकों की ओर से पॉवर ऑफ अटॉर्नी लेकर आए थे) और सब-रजिस्ट्रार आरबी तारू के खिलाफ धोखाधड़ी और गड़बड़ी के आरोप में एफआईआर दर्ज की।

संपादकीय Editorial

Divisive Statements: Rahul Gandhi is Fueling Caste Animosity

Rahul Gandhi should also explain what the Congress party, during its long tenure in power, did to address unequal representation? The problem of unequal representation is undeniable, but the solution is not to divide society and pit castes against each other. Unfortunately, that is precisely what Rahul Gandhi is doing. Even worse, he is fueling caste animosity in the process. Rahul Gandhi is accused of making divisive statements. For a long time, Rahul Gandhi has been propagating the idea that upper castes dominate various sectors of the country and that Dalits and backward castes have been marginalized. The other day in Bihar, he even claimed that the same situation prevails in the army. According to him, ten percent of upper-caste people control the army. The first question that arises is how he came to know this, and the second is what exactly does it mean for ten percent of people to control the army? By making such statements, he is not only misleading people but also tarnishing the image of the army. He should at least spare the army, where there is no place for caste, creed, etc. No one can say that there is any kind of discrimination in army recruitment. It is not right that Rahul Gandhi is knowingly or unknowingly attacking the credibility of the army.

It seems he has forgotten how he faced a reprimand from the Supreme Court some time ago for his statement belittling the army. It is strange that Rahul Gandhi keeps mentioning various sectors of public life and claiming that upper castes with a ten percent share dominate them, but he does not clarify how much representation Dalits and backward castes have in the various organizations of the Congress party itself? In Rahul Gandhi's understanding, the only solution to unequal representation is a caste census.

Although the decision to conduct a caste census has been taken, he is not satisfied with just that. He also wants a count of how many people of which caste are in which region? Will this eliminate the unequal representation that Rahul Gandhi keeps talking about? It cannot be ignored that during the Manmohan Singh government, an attempt was made through the Sachar Committee to ascertain the number of Muslims in the army. This did not materialize due to objections from the army. For some time now, Rahul Gandhi has been trying to portray himself as the biggest champion of social justice, but everyone knows how strongly the Congress opposed OBC reservations during Rajiv Gandhi's time. Rahul Gandhi should also explain what the Congress did to address unequal representation during its long tenure in power.

The problem of unequal representation cannot be denied, but the solution is not to divide society and pit castes against each other. Unfortunately, that is precisely what Rahul Gandhi is doing. Even worse, while doing so, he is also fueling caste animosity.

Between Distribution and Allocation

According to Rural Development and Panchayati Raj Minister Anirudh Singh, in the context of Himachal Pradesh, only 3577 panchayats will see the dawn of the upcoming elections. While the number remains the same, there may be redrawing of ward boundaries, meaning several villages and settlements may shift between neighboring panchayats. However, the focus now is not on increasing the number of panchayats, but on keeping the number within 3577. One attempt to preserve Himachal Pradesh through the panchayat system is linked to the democratic, administrative, and social responsibilities of the Panchayati Raj institutions, while on the other hand, local bodies strive to fulfill their aspirations by utilizing every experiment and resource to bring the state's aspirations to the ground level. If a slight reorganization enhances the relevance of the panchayat, then the political opportunities for restructuring the entire state's framework increase. For years, political maneuvering has created regionalism, leading to the division or dissolution of some panchayats. Resolutions were changed by converting some towns into Nagar Panchayats, Nagar Panchayats into Nagar Parishads, and Nagar Parishads into Municipal Corporations. Politics wants to interpret the essence of local self-governance, hence the attempt to ensure the mayor's term lasts for the full five years. The increase in the honorarium of representatives from panchayats to the entire Panchayati Raj system and from towns to municipal corporations shows that something has been achieved in enhancing the prestige of this work. It is a different matter that Himachal Pradesh was initially limited to the definition of rural areas, and the sentiments of urbanization and the behavior of cities were not understood, but now there are urban villages that completely fulfill the definition of established cities, separate from the Panchayati Raj system. The reorganization of these villages is a difficult task. For example, some cantonment boards in the state were removed, but the urban system established there for years was placed under the purview of the village, thus reducing the capacity of civil society to a rural level. For instance, it would be appropriate to combine more than half a dozen villages in the Yol camp cantonment area into a single panchayat, or to bring the area that was under the civic amenities of the cantonment board during British rule under the Dharamshala Municipal Corporation. The potential and capacity of the Municipal Corporation to reach the panchayat areas needs to be assessed, and its restructuring is necessary. Restructuring should also be based on the geographical similarity and social proximity of several assembly constituencies. If the Naina Devi assembly constituency crosses Bilaspur and extends towards Ghaghas, or if the Darang constituency of Mandi connects with Kullu on the other side of the hill, there are several reasons for such changes. Moreover, if the importance of Shah Talai, connected to the religious significance of the Deotsidh complex, is divided between Hamirpur and Bilaspur, how will administrative reforms be implemented? More or less, every government, especially during the tenure of BJP governments, has explored the possibility of creating new districts by dividing Kangra, Mandi, and Shimla. Following the courts, police districts have been created in this direction. Similar departmental efforts are underway in Dehra, and social media is speculating about the creation of a new district. Ideally, the state should have thirteen districts. Eleven districts should have six assembly constituencies each. while the tribal district should have one constituency, or alternatively, under the national parameters of new delimitation, it should be examined whether more assembly constituencies are being added.

A Journey to the Heights and ISRO: Launch of the Heaviest Communication Satellite and India's Growing Strength in Space

Weighing approximately 4.4 tons, CMS-03 is the heaviest communication satellite ever launched by India. This satellite has been placed in a Geosynchronous Transfer Orbit (GTO) and will form the backbone of India's communication network for the next 12 to 15 years. India has once again proven that it is not only self-reliant in space science but can also be a guiding force for the future. When the Indian Space Research Organisation (ISRO) launched the heaviest communication satellite to date, CMS-03 (GSAT-7R), from Sriharikota on the night of November 2, 2025, using the LVM3-M5 rocket, it was not just a technical achievement. It became a symbol of the nation's digital sovereignty and strategic capability. India's Heaviest Communication Satellite to Date Weighing approximately 4.4 tons, CMS-03 is the heaviest communication satellite ever launched by India. This satellite has been placed in a Geosynchronous Transfer Orbit (GTO) and will form the backbone of India's .communication network for the next 12 to 15 years. This mission is an extension of the GSAT-7 series, designed to provide state-of-the-art, secure communication for the Indian Navy, Air Force, and other defense agencies. Following the earlier satellites GSAT-7 (Rukmini) and GSAT-7A, CMS-03 (or GSAT-7R) is considered a "next-generation satellite"—taking India to new heights with modern technologies, greater bandwidth, and improved coverage. A Confluence of Science and Strategy - This satellite is a strong link in India's strategic communication system. The Indian Navy will now be able to maintain secure and uninterrupted communication between ships, bases, and headquarters even in the middle of the ocean. Multi-frequency (multi-band) technology such as UHF, S-band, C-band, and Ku-band makes it equally capable in maritime, aerial, and land operations. Furthermore, it utilizes satellite "beam steering technology," meaning it can direct its communication beam in the required direction. This ensures connectivity with moving ships or aircraft. All data and voice communications will remain encrypted, virtually eliminating the possibility of cyber espionage or security risks. Strong Presence in the Indian Ocean - CMS-03 will give India a strong strategic position throughout the Indian Ocean region. While countries like China are rapidly increasing their maritime presence, this satellite will provide India with real-time monitoring and command capabilities in that region. This satellite will play a crucial role in maritime border security, coastal surveillance, and emergency communication at sea. Economic and Social Benefits - This mission will not be limited to the defense sector alone. It will improve broadband and internet connectivity in remote coastal areas, islands, and border regions. Areas such as Digital India, e-governance, and maritime education will also benefit from this satellite. This success of ISRO will further propel India towards becoming a "space-technology exporting nation," increasing India's share in the global satellite communication market. Satellites like CMS-03 will further enhance the military's "network-centric warfare system." A New Height of Self-Reliance - The successful launch of CMS-03 is not just a scientific achievement; it is a concrete step towards the goal of "Atmanirbhar Bharat" (Self-Reliant India). Now India does not need to depend on any foreign satellite or private network. The success of the LVM3-M5 rocket has proven that India can launch satellites weighing more than 4-5 tons into space using indigenous technology. This satellite was launched into space using a three-stage rocket. The first stage consists of two solid rocket boosters (S200), the second stage is liquid-fueled (L110), and the third stage is a cryogenic upper stage (C25), which places the satellite into Earth's orbit at a high altitude. CMS-03 was initially placed in a transfer orbit and then, using its onboard propulsion system, it maneuvered itself into geostationary orbit. It has the capability to communicate simultaneously in four different frequency bands. This increases speed, bandwidth, and network reliability. Looking ahead, ISRO plans to launch CMS-04 (GSAT-20) and next-generation navigation satellites in the future. These missions will provide India with an integrated space-based communication and navigation network. The success of the LVM3 rocket has also become a reliable foundation for projects like the Gaganyaan human space mission and the Indian space station. In short, the launch of CMS-03 is a clear indication that India is no longer just a "country that reaches space," but has become a "nation that masters space." This mission gives a new direction to India's strategic security, digital communication, and technological capabilities. India will no longer have to depend on any foreign satellite system. India is now capable of providing "high-throughput satellite" services globally, which could also lead to commercial contracts in the future. This satellite will protect India from space and connect millions of Indians on Earth. This is not just a success for ISRO, but a success for every Indian who believes that the era of a developed India has now begun.

दिल्ली हाईवे पर चलती कार में लगी आग, तीन महिलाओं और चालक ने कूद कर बचाई जान, लोगों में मच गई सनसनी

मुरादाबाद के मझोला क्षेत्र में दिल्ली रोड पर शनिवार रात करीब दस बजे चलते कार में अचानक आग लग गई। चालक तारिक ने समय रहते कार रोक दी, जिससे वह और कार में सवार तीन महिलाएं कूदकर सुरक्षित बच गईं। सभी लोग शादी समारोह में जा रहे थे। मझोला क्षेत्र में दिल्ली रोड पर शनिवार रात दस बजे चलती कार में आग लग गई। चालक ने समय रहते कार रोक दी और चालक और कार में सवार तीन महिलाओं ने

कूदकर जान बचाई। कार सवार सभी लोग शादी समारोह में शामिल होना जा रहे थे। मौके पर भीड़ जुटी तो महिलाएं और चालक मौके से चले गए।दमकल विभाग के कर्मचारी गाड़ी लेकर मौके पर पहुंच गए और आग पर काबू पा लिया। पुलिस के मुताबिक, कटघर निवासी तारिक शनिवार की रात करीब दस बजे वह अपने परिवार की तीन महिलाओं को लेकर दिल्ली रोड पर होटल में शादी समारोह में शामिल हो जा रहे थे।कार मझोला थाना क्षेत्र में रियालंस पेट्रोलपंप के सामने पहुंची। इसी दौरान कार के इंजन से अचानक धुआं उठने लगा। चालक की नजर इंजन की ओर गई तो धुआं देखकर वह घबरा गया और उसने तुरंत कार रोक दी और सभी से तुरंत बाहर निकलने के लिए कहा। महिलाएं और चालक जैसे ही कार से बाहर निकले आग की लपटें उठने लगीं। इसके बाद कार धू-धूकर जलने लगी। मौके पर लोगों की भीड़ जुटी तो कार चालक और महिलाएं मौके चली गईं। सूचना मिलने पर मझोला थाना प्रभारी रविंद्र कुमार मौके पर पहुंच गए। इसके बाद दमकल विभाग की टीम भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया। अग्निशमन अधिकारी ज्ञान प्रकाश शर्मा ने बताया कि हमारी टीम से पहुंचने से पहले ही कार सवार चले गए थे। वहां मौजूद लोगों से पूछताछ में पता चला कि कार चालक ने अपना नाम तारिक बताया था। वह कटघर से दिल्ली रोड स्थित शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

नौकरी लगवाने के नाम पर पिता-पुत्र ने 3.50 लाख ठगे...तहरीर पर FIR दर्ज

चेन्नई भेजने के नाम पर पिता-पुत्र ने जान पहचान के युवक के दोस्त से साढ़े तीन लाख रुपये हड़प लिए। जिसके बदले में फर्जी दस्तावेज दे दिए। जानकारी मिलने के बाद युवक के होश उड़ गए। जब वह पिता पुत्र के पास पहुंचा तो उसको जान से मारने की धमकी दी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पिता-पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।बिलासपुर थाना क्षेत्र के मोहल्ला कायस्थान निवासी सत्यम तिवारी का कहना है कि जनवरी 2025 में मर्चेंट नेवी का कोर्स करने के लिए चेन्नई गया था। वहां पर सत्यम की जान पहचान देवरिया के रहने वाले शुभम यादव के साथ हो गई। उसके बाद दोनों एक साथ रूम में रहने लगे थे। इस बीच शुभम ने सत्यम तिवारी से कहीं पर नौकरी लगवाने के बात कहीं। उसके बाद सत्यम ने शुभम की नौकरी लगवाने के लिए ज्वालानगर के पुरानी कालोनी में रहने वाले पीयूष शुक्ला से अच्छी जान पहचान होने के कारण उससे संपर्क किया तो पीयूष शुक्ला ने सत्यम से कहा कि अपने दोस्त के सारे कागजात मुझे भेज दो।

ईरान की युवती और भारत बहू छोड़ेगी ससुराल... पति का वीजा बनने तक किराये के मकान में रहेगी फैजा; पूरी कहानी

ईरान की युवती फाएजे अर्वांदी उर्फ फैजा ने ससुराल छोड़कर पति पंकज दिवाकर के साथ किराये के मकान में रहने का फैसला किया है। दोनों ने एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह से मिलकर सास और अन्य के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फैजा का आरोप है कि उसके निजी वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जा रहा है। ईरान की युवती ने ससुराल छोड़ने का मन बना लिया है। अब वह पति का वीजा बनने तक किराये के मकान में रहेगी। शनिवार को पति-पत्नी फिर से एसपी सिटी से मिले और उन्होंने कार्रवाई की गुहार लगाई है। युवती ने बताया कि समझौता होने के बाद सास और ननद उसके पति पर तरह तरह के आरोप लगा रही हैं। उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा है। उनके बारे में आपत्ति जनक शब्द लिखे जा रहे हैं। एसपी सिटी ने चौकी इंचार्ज को इस मामले में जांच करने के आदेश दिए हैं।ईरान के हमदान सिटी की रहने वाली है युवती - सिविल लाइंस की इंद्रप्रस्थ कॉलोनी निवासी पंकज कुमार दिवाकर यूट्यूबर हैं और ट्रैवल ब्लॉगर हैं जबकि उनकी पत्नी फाइजा उर्फ फैजा उर्फ फाएजे अर्वांदी ईरान के हमदान सिटी की रहने वाली हैं। ईरान में सरकारी टीचर हैं। दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया से हुई बताया जा रहा है कि 2022 में फैजा और पंकज की मुलाकात इंस्टाग्राम पर हुई थी। इसके बाद दोनों की मुलाकात प्यार में बदल गई थी और फैजा के बुलाने पर पंकज ईरान गए। इसके बाद 2023 में फैजा उससे मिलने भारत आई थी। 2024 में फैजा लॉन्ग

टर्म वीजा पर भारत आई और हिंदू रिति रिवाज से पंकज से शादी कर ली। इसके बाद दोनों ने कोर्ट मैरिज भी की थी। बृहस्पतिवार को पति पंकज अपनी पत्नी को साथ लेकर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह से मिला था। युवती ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि उसके निजी वीडियो बना लिया है। इन वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया जा रहा है। उसने सास और ननद पर गंभीर आरोप लगाए थे। एसपी सिटी ने सास को अपने कार्यालय में बुलाकर समझा था और घर भेज दिया था।एसपी सिटी से लगाई कार्रवाई की गुहार - शनिवार को ईरान की युवती अपने पति पंकज के साथ फिर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह से मिली। उसने बताया कि समझौता करने के बाद भी उसकी सास मीडिया में उसके पति के खिलाफ झूठे आरोप लगाते हुए बयान दे रही है। इससे उनकी छवि खराब हो रही है। एसपी सिटी हरथला चौकी प्रभारी को मौके पर जाकर जांच करने के आदेश दिए। पंकज और उसकी पत्नी ने एसपी सिटी को बताया कि उन्होंने किराये पर मकान ले लिया है वह अपने परिवार से अलग रहेंगे। पंकज ने भी वीजा के लिए आवेदन कर दिया है। वीजा बनने के बाद ही वह आगे का प्लान बनाएंगे।ईरान से आई फैजा का ससुराल में उत्पीड़न- मुरादाबाद शहर के यूट्यूबर पंकज कुमार दिवाकर से प्रेम विवाह करने वाली ईरानी युवती फैजा सास और ननद के उत्पीड़न से तंग आकर बृहस्पतिवार को पहले महिला थाने पहुंची, फिर एसपी सिटी कार्यालय में अपना दर्द बयां किया। उसने बताया कि सास ने पति के साथ के निजी वीडियो बना लिए हैं जिसके जरिए सास और ननद उसे ब्लैकमेल कर रहीं हैं। रुपये और तोहफे न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकियां दे रही हैं। हालांकि फैजा ने पति पर कोई आरोप नहीं लगाया है। बृहस्पतिवार को फैजा पति पंकज के साथ महिला थाने पहुंचीं और सास, तीन ननद व ननदोई पर गंभीर आरोप लगाए। महिला थाना प्रभारी फैजा, उसके पति और सास को लेकर एसपी सिटी कार्यालय पहुंच गईं। यहां पीड़िता ने बताया कि सास ने उसके निजी वीडियो बना ली है। इन वीडियो के जरिए उसे ब्लैकमेल किया जा रहा है। सास ताने देती है कि पिता के घर से दहेज में कुछ नहीं लाई है। रुपये व तोहफे न देने पर वीडियो वायरल करने की धमकी दी जा रही है जिससे वह तंग आ चुकी है। उसने अपने देश लौटने में मदद करने की गुहार लगाई है। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने युवती को आश्वासन दिया है कि उसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी पुलिस की है। उनका उत्पीड़न नहीं किया जाएगा। अगर वह अपने घर जाना चाहती हैं तो उन्हें भेजने में भी मदद की जाएगी। फैजा के साथ उसके पति पंकज ने ईरान जाने की इच्छा जताई है। इसके लिए पंकज ने वीजा लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

किस्से पुराने: अतीक पर हमला, अटल की कविताएं और पीएम की ताजपोशी; मुरादाबाद की सियासत की बेहद दिलचस्प शख्सियत

मुरादाबाद की सियासत की दिलचस्प शख्सियत मेजर जेपी सिंह ने फौज से लेकर राजनीति तक का लंबा और रोचक सफर तय किया है। 1971 के बांग्लादेश युद्ध में पाकिस्तानी सैनिकों से लोहा लेने के बाद वह इंदिरा गांधी के संपर्क में आए और कांग्रेस से राजनीति में उतरे। कांग्रेस के कमजोर होने पर उन्होंने भाजपा का दामन थामा और 1991 व 1996 में दो बार विधायक बने। करीब 80 वर्ष की उम्र में मेजर जेपी सिंह के पास इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, चंद्रशेखर और अटल बिहारी वाजपेयी जैसी बड़ी हस्तियों से जुड़े कई अनसुने किस्से हैं। मेजर जेपी सिंह मुरादाबाद की सियासत की बेहद दिलचस्प शख्सियत हैं। कॅरिअर का शुरुआती हिस्सा फौज में गुजरा और उसके बाद सियासत की बीहड़ दुनिया में उतर आए। दोनों ही क्षेत्रों में मेजर ने सफल पारी खेली। जब फौज में थे तो 1971 में बांग्लादेश युद्ध के दौरान पाकिस्तानी सैनिकों से लोहा लेने का मौका मिला। मेजर जेपी सिंह इंदिरा गांधी के संपर्क में आने के बाद कांग्रेस की ओर से सियासी मैदान में उतरे मगर वह प्रदेश में कांग्रेस के लगातार कमजोर होते चले जाने का दौर था। बदलते सियासी मौसम को भांपते हुए मेजर भाजपा की नाव पर सवार हो गए और इस दौरान 1991 और 1996 में दो बार पार्टी की ओर से विधायक रहे। बाद में जब भाजपा में पूछ घटी तो बाकी सियासी घाटों का पानी पी आए। अब फिर भाजपा में हैं, मगर हाशिए पर। अपने 35-40 साल के सियासी सफर में मेजर को इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और चंद्रशेखर से लेकर अटल बिहारी बाजपेयी तक तमाम शख्सियतों को नजदीक जाने का मौका मिला। 80 साल से ज्यादा के हो चुके मेजर जब अपनी जिंदगी के किस्से सुनाने बैठते हैं तो भारतीय राजनीति की तमाम बड़ी शख्सियतों के व्यक्तित्व के नए पहलू सामने आते हैं। हाल ही में मेजर जेपी सिंह ने अपनी अतरंगी जिंदगी से जुड़े तमाम किस्से अमर उजाला से साझा किए।बांग्लादेश में ऑपरेशन शुरू हो चुका था। मैं फौज में था। हम नगालैंड से सीधे बांग्लादेश पहुंचे थे। जनरल सगत सिंह हमारे इंचार्ज थे। उन्होंने पूरा

ऑपरेशन संभाला। हमें ब्रह्मपुत्र नदी पार करनी थी, पर नावें नहीं मिलीं। केले के पेड़ काटकर हम राफ्ट बनाकर नदी पार कर गए। नदी पार होते ही लड़ाई शुरू हो गई। ऊपर से विमान हमला कर रहे थे और नीचे हमारी बटालियन लड़ रही थी।बंकरों में जो नजारा मिला वह दिल तोड़ देने वाला था। पाकिस्तानी सैनिक महिलाओं पर अत्याचार कर रहे थे। हमारे पास हथियार सीमित थे, लेकिन आर्टिलरी की मदद से हमने भारी फायर किया। तुंगी जो ढाका से करीब 12 किलोमीटर दूर था वहां बहुत भयंकर लड़ाई चल रही थी। इसी बीच हमारे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ ने पाकिस्तानी सेना से सरेंडर करवा दिया।फिर हमें आदेश मिला कि शेख मुजीबुर्रहमान के घर जाकर उनके परिवार को सुरक्षित बाहर निकालो। हमने उनका परिवार रेस्क्यू किया। शेख मुजीबुर्रहमान उस समय पाकिस्तान की जेल में थे। उनके परिवार ने हमें बहुत धन्यवाद दिया। चाय और ड्राई फ्रूट देने की कोशिश की, पर हमने कुछ नहीं लिया। उन्होंने मुझे एक गोल्ड वॉच दी। वह घड़ी आज भी मेरे पास है।जब मैं पूरी रात खड़ा रहा इंदिरा जी के घर के बाहर - इंदिरा जी का एक किस्सा आज भी आंखों के सामने ताजा है। वह लद्दाख के दौरे पर थीं और मैं उस समय डिप्टी कमांडेंट था। अचानक मुझे लाइजनिंग ऑफिसर के तौर पर काम करने का आदेश मिला। मीटिंग खत्म होते-होते मैं हवाई जहाज में चढ़ा। मगर इतने में दरवाजा बंद हो गया और विमान दिल्ली के लिए रवाना हो गया। मैं बाहर नहीं आ सकता था, इसलिए सीधे दिल्ली पहुंचा। सब चले गए मैं अकेला रह गया। वहां किसी को नहीं जानता था। पूरी रात इंदिरा जी के घर के बाहर खड़ा रहा। उस समय सिक्योरिटी इतनी कड़ी नहीं थी। सुबह जब इंदिरा जी मॉर्निंग वॉक पर आईं तो मैंने सलामी दी। उन्होंने हैरानी से पूछा तुम यहाँ कैसे। मैंने पूरा वाकया बताया। इसके बाद धवन साहब से भी मेरी मुलाकात हुई और कुछ दिन बाद मैंने फौज से इस्तीफे का आवेदन दे दिया, पर उसे तुरंत स्वीकार नहीं किया गया। बाद में राजीव गांधी से मुलाकात हुई। अंततः सारे कागजात देने पर ही फाइनल रिटायरमेंट मिला।किसी के पैर नहीं छुए - फौज छोड़ने के मैं पूरी तरह से कांग्रेस से जुड़ गया और मुरादाबाद से मुझे पहली बार कांग्रेस का टिकट मिला। चुनाव लड़ने का अनुभव न के बराबर था लोग कहते थे हाथ जोड़ो, लोगों के पैर छुओ।मैं सिर्फ सलामी करना का आदमी था। नतीजा रहा कि वो चुनाव मैं हार गया।चंद्रशेखर बोले, पगड़ी लाओ जेपी- एक और किस्सा है। चंद्रशेखर के गुड़गांव वाले फार्महाउस का। वह जनता दल का दौर था। चुनाव बाद प्रधानमंत्री चुनने के लिए वहां नेताओं का जमावड़ा लगा था। संयोग से मैं भी वहीं था। अचानक चंद्रशेखर जी ने आवाज लगाई जेपी, इधर आओ। मैं तुरंत उठा और उन्होंने मेरे हाथ में एक पगड़ी थमाई और बोले चलो। मैं उनके साथ चल पड़ा। सामने देवीलाल और वीपी सिंह बैठे थे, सबकी निगाहें उसी ओर थीं। जैसे ही चंद्रशेखर जी ने मेरे हाथ से लेकर वह पगड़ी देवीलाल के सिर पर रखने की कोशिश की, देवीलाल जी ने अचानक उसे वीपी सिंह के सिर पर पहना दिया। उसी एक पल में देश का अगला प्रधानमंत्री तय हो गया।विधानसभा में माइक लेकर दौड़ाया- 1997 में यूपी विधानसभा में आगे की सीटों पर मंत्री और पीछे विधायक बैठे थे। साथ ही सुंदर सिंह भंडारी भी वहां मौजूद थे। विधानसभा में तनातनी चल रही थी। इस बीच वहां मारपीट हो गई। हमारे कई विधायकों को दूसरे गुट ने जमकर पीट दिया था। कइयों के खून भी निकल रहा था। तभी भंडारी ने इशारा करते हुए मुझे आवाज दी। यह सुनते ही मैंने कुर्सी का तोड़ी और माइक को बगल में दबा लिया। फिर कई लोगों को पीटा। मेरे निशाने पर अतीक अहमद था। जब मैं माइक लेकर उसे मारने के लिए दौड़ा तो वह भाग निकला और कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के सिर पर प्रहार हो गया। इससे वह लहूलुहान हो गए। अटल जी सुनाते कविताएं - अटल बिहारी वाजपेयी के साथ भी कई यादगार पल रहे। जब वे मिलते तो मजाक में कान पकड़कर कहते बच्चू, तू फौजी है। बात-बात में कविताएं सुना देते थे। मैं अक्सर कहता सर मुझे कविता मत सुनाइए, मेरी समझ से परे है। एलके अडवाणी के मुरादाबाद स्वागत के दौरान स्थानीय नेताओं के बीच खटपट हुई थी।

संक्षिप्त समाचार

जमानत पर छूटे आरोपी ने फिर किया किशोरी का अपहरण, पहले भी इसी मामले में गया था जेल

जमानत पर छूटे आरोपी ने फिर से किशोरी का अपहरण कर लिया। इसी किशोरी के अपहरण के आरोप में वह पहले जेल में बंद था। किशोरी के भाई की तहरीर पर पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जेल से जमानत पर छूटे आरोपी फरमान ने दोबारा किशोरी का अपहरण कर लिया। आरोपी इसी किशोरी के अपहरण के आरोप में जेल में बंद था और कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आया था। पुलिस ने इस मामले में किशोरी के भाई की तहरीर पर महिला समेत छह लोगों पर केस दर्ज कर लिया है।अगवानपुर के एक मोहल्ले में रहने वाली किशोरी के भाई ने दो अक्तूबर 2024 को सिविल थाने में फरमान समेत अन्य के खिलाफ केस दर्ज कराया था जिसमें आरोप लगाया कि आरोपी उसकी नाबालिग बहन को अगवा कर ले गया है।पुलिस ने इस मामले में किशोरी को बरामद कर उसके कोर्ट में बयान कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया था। बाद में आरोपी फरमान कोर्ट में सरेंडर कर जेल चला गया था। कुछ दिन पहले आरोपी जेल से जमानत पर छूट गया। किशोरी के भाई ने सिविल लाइंस थाने में एक और केस दर्ज कराया है जिसमें उसने बताया कि रामपुर में उसके रिश्तेदारी में शादी थी। परिवार के लोग शादी में शामिल होने गए थे। बीमार मां की देखभाल के लिए 17 वर्षीय बहन और एक भाई घर में मौजूद थे। आरोप है कि बुधवार की रात करीब एक बजे अगवानपुर में जामा मस्जिद के पास रहने वाला फरमान, साबिर, रिजवान और इमरान ने जबरन किशोरी का अपहरण कर लिया। किशोरी के भाई ने कार से जाते हुए उन्हें देख लिया। इसके बाद पीड़ित ने युवक के चाचा फतह अली और आलम से इसकी शिकायत की तो उन्होंने पीड़ित से गाली गलौज की। सीओ सिविल लाइंस कुलदीप गुप्ता ने बताया कि तहरीर के आधार आरोपी फरमान समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। किशोरी की बरामदगी और आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है। जेल जाने से पहले आरोपी ने वायरल किया था वीडियो- पिछली बार किशोरी के अपहरण में फरमान पुलिस के हत्थे नहीं चढ़ा लेकिन उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल किया था जिसमें उसने किशोरी के परिजनों को चेतावनी दी थी। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए तमाम कोशिश की थी लेकिन युवक पुलिस के हाथ नहीं आया था और किशोरी के परिजनों को धमकी के बाद फरमान ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया था।

प्रत्येक कार्यकर्ता जिम्मेदारी के साथ मतदाता सूची का करें परीक्षण

ठाकुरद्वारा। भाजपा की ओर से विधानसभा स्तर पर मतदाता गहन परीक्षण अभियान के तहत गांव फसियापुरा में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में बूथ अध्यक्षों, शक्ति केंद्र संयोजकों एवं बीएलए-2 को मतदाता पुनरीक्षण कार्य हेतु प्रशिक्षित किया गया। कार्यशाला का आरंभ वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुआ। राष्ट्रीय गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने पर उपस्थित कार्यकर्ताओं को बधाई दी गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व मुख्य वक्ता दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री एवं एमएलसी गोपाल अंजान ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ घर-घर संपर्क कर मतदाता सूची का परीक्षण करें। कहा कि 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाकर सरकारी बीएलओ एवं बीएलए-2 मिलकर फर्जी एवं दोहरे मतदाताओं की पहचान करें। जिन मतदाताओं का नाम दो स्थानों पर दर्ज है, उन्हें स्वयं एक स्थान से मत हटवाने के लिए प्रेरित करें। अन्यथा निर्वाचन आयोग द्वारा इसे स्वतः हटाया जाएगा। भाजपा जिला प्रभारी राजेश यादव ने कार्यकर्ताओं की कम संख्या पर मंडल अध्यक्षों से नाराजगी जताई। वहीं भाजपा जिला अध्यक्ष आकाश पाल ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता का दायित्व है कि वह अपने बूथ पर मतदाता सूची का सूक्ष्म परीक्षण कर फर्जी वोट हटवाए और पात्र मतदाताओं का नाम जुड़वाए।कार्यक्रम संयोजिका कशिश चौहान, क्षेत्र मंत्री अनूप बाल्मीकि, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान, लघु व्यापार मंडल अध्यक्ष गौरव चौहान, जिला महामंत्री राजन बिश्नोई, मीडिया प्रभारी कमलेश कुमार, डॉक्टर आफताब हाशमी, धर्मेंद्र कुमार पाल, मंडल अध्यक्ष दीपक वाल्मीकि, हरपाल सिंह सैनी, हरिओम सिंह चौहान, पवन शर्मा, जिला उपाध्यक्ष सतपाल सिंह, महिला मोर्चा अध्यक्ष रूपेश रानी चौहान, भजनलाल पाल, पवन पुष्पद, जितेंद्र सिंह चौहान, ओम कुमार एडवोकेट सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विपक्षी कर रहे भ्रामक प्रचार कहा कि विपक्षी दल इस अभियान को भाजपा का कार्यक्रम बताकर भ्रामक प्रचार कर रह

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सपा मुखिया अखिलेश यादव 13 नवंबर को आएंगे बरेली, शहर में बढ़ेगा सियासी पारा

सपा मुखिया अखिलेश यादव 13 नवंबर को बरेली का दौरा करेंगे। वह यहां कई कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान सपा मुखिया अपनी पार्टी के जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों से मुलाकात कर जिले की सियासी नब्ज भी टटोलेंगे। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव 13 नवंबर को बरेली आएंगे। शनिवार को पार्टी कार्यालय से कार्यक्रम जारी होने के बाद शहर में सियासी हलचल बढ़ने लगी है।जारी कार्यक्रम के अनुसार, 13 नवंबर को सपा मुखिया अखिलेश यादव बरेली एयरपोर्ट आएंगे। यहां से सुबह 11:45 बजे नैनीताल रोड स्थित होटल में पहुंचकर विधायक अताउर्रहमान की बेटी के वैवाहिक समारोह में शामिल होंगे। वहां घंटेभर ठहरकर वह दोपहर 1:45 बजे तक क्रमवार सीबीगंज स्थित भोजीपुरा विधायक शहजिल इस्लाम, किला निवासी पूर्व एमएलसी प्रो. वसीम बरेलवी से मुलाकात करेंगे। दोपहर दो बजे से वह डोहरा रोड पर पूर्व विधायक सुल्तान बेग की बेटी के विवाह समारोह में शामिल होकर आशीर्वाद देंगे। अपराह्न 2:45 बजे से वह पूर्व सांसद वीरपाल सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष अगम मौर्य से मुलाकात करेंगे। शाम 4:10 बजे बरेली एयरपोर्ट के लिए रवाना होंगे। -जनप्रतिनिधियों से मिलकर टटोलेंगे जिले की सियासी नब्ज आयोजनों में शामिल होने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से मुलाकात कर सियासी नब्ज टटोलेंगे। बीते दिनों शहर में हुए बवाल के बाद कार्रवाई, लाठीचार्ज के पीड़ितों के बारे में भी पूछताछ करेंगे। साथ ही, आगामी चुनाव की तैयारियां, हाल ही में जारी प्रवक्ता सूची में शामिल पदाधिकारियों से मुलाकात भी कर सकते हैं। कार्यक्रम जारी होते ही पार्टी पदाधिकारी तैयारी में जुट गए हैं। पिछले माह रामपुर जाने के दौरान सपा मुखिया बरेली एयरपोर्ट पर करीब आधे घंटे ठहरे थे। तब उन्होंने जल्द बरेली आने का वादा किया था।

दूसरी पत्नी की बेवफाई से आहत अधिवक्ता ने दी जान, सुसाइड नोट में लिखा- मेरी मौत का कारण रेशमा

बदायूं के दातागंज क्षेत्र में एक अधिवक्ता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उनके कमरे से सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें लिखा है कि उनकी मौत की जिम्मेदार दूसरी पत्नी रेशमा है, जो बेटे को लेकर किसी व्यक्ति के साथ चली गई है। बदायूं के दातागंज कोतवाली क्षेत्र के गांव बेहटा माधव निवासी अधिवक्ता दुर्विजय सिंह (40) पुत्र चेतराम का शव शनिवार की सुबह घर के ही कमरे में लटका मिला। शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवाया। परिजनों ने बताया कि दूसरी पत्नी की बेवफाई से परेशान होकर उसने आत्महत्या की है। पुलिस मामले की जांच कर रही हैपरिवार के लोगों ने बताया कि दुर्विजय सिंह पेशे से अधिवक्ता थे। उनकी शादी करीब 20 साल पहले हुई थी। पत्नी उनको छोड़कर चली गई। इसके बाद उन्होंने 2023 में दूसरी शादी की। उससे उन पर एक साल का बेटा भी है। दस दिन पहले बच्चे को साथ लेकर पत्नी किसी दूसरे व्यक्ति के साथ चली गई। इसके बाद वह थाना पुलिस से लेकर सभी रिश्तेदारों के पास गए, लेकिन पत्नी ने लौटने से मना कर दिया। तभी से दुर्विजय सदमे में आ गए थे। शुक्रवार की शाम खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चले गए। परिवार के अन्य लोग भी सोने चले गए। शनिवार की सुबह दुर्विजय का शव फंदे पर लटका देखा तो परिवार के लोगों के होश उड़ गए। मामले की जानकारी दातागंज पुलिस को दी। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराया। देर शाम को शव घर पहुंचा तो परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार कर दिया। इंस्पेक्टर वेदपाल सिंह का कहना है कि मामले की जांच चल रही है। अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने व रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। चार दिन पहले ही लिखकर रख दिया था सुसाइड नोट- अधिवक्ता के कमरे से सुसाइड नोट मिला है। जिसमें लिखा है, %मेरी मौत का कारण पत्नी रेशमा है। पुलिस को बुलाकर सुसाइड नोट दे देना, जिससे पत्नी रेशमा जेल जा सके। मैं अपने बेटे सार्थक व पत्नी के बिना जिंदा नहीं रह सकता। उसने अपने भाई के लिए लिखा है कि आपका पैर जल्द ही ठीक हो जाएगा। हो सके तो मुझे माफ कर देना। मैं अवसाद में था, इसी वजह से मैंने आत्महत्या की है, लेकिन रेशमा को जेल भेजना है।

दोस्ती...अफेयर और शक, जिगरी यार ने सेराज को मार डाला, कातिल की बीवी ने बताया क्यों घुला दोनों के बीच जहर

प्रयागराज पुलिस ने चालक सेराज की हत्या खुलासा कर दिया है। अवैध संबंधों के विवाद में दोस्त ने ही चालक की हत्या की थी। मृतक फतेहपुर का रहने वाला था। अटाला की चमरौटी गली में परिवार के साथ किराये पर रहता था।उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के खुल्दाबाद थाना क्षेत्र के अटाला में शनिवार सुबह एक मालवाहक वाहन (मैजिक) चालक सेराज की उसके दोस्त अयास ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। वारदात के पीछे आरोपी की पत्नी और सेराज के बीच अवैध संबंधों का विवाद सामने आया है। पुलिस ने कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।शनिवार सुबह करीब साढ़े छह बजे 40 वर्षीय सेराज उर्फ मोछा घर से काम से निकला था। गली में कुछ दूरी पर पहुंचा तभी पड़ोसी अयास ने पीछे से धारदार हथियार से उसकी गर्दन, माथे और शरीर के अन्य हिस्सों पर ताबड़तोड़ वार कर दिए। हमले में सेराज की मौके पर ही मौत हो गई और आरोपी फरार हो गया।मूलरूप से फतेहपुर जिले के बिंदकी का रहने वाला सेराज अटाला की चमरौटी गली में पत्नी रूबी, दो बेटों और एक बेटी के साथ किराये पर रहता था। वह मालवाहक वाहन चलाता था। सूचना पर खुल्दाबाद पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। %सेराज के आरोपी अयास की पत्नी से अवैध संबंध थे% पुलिस के अनुसार, जांच में सामने आया कि सेराज के आरोपी अयास की पत्नी से अवैध संबंध थे। इसको लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। शनिवार सुबह इसी बात पर कहासुनी हुई जिसके बाद गुस्से में अयास ने धारदार हथियार से हमला कर सेराज की हत्या कर दी। डीसीपी सिटी मनीष शांडिल्य ने बताया कि आरोपी अयास को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने पूछताछ में अवैध संबंधों के विवाद में हत्या की बात स्वीकार की है। मृतक के भाई मेराज की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है ताकि घटना से जुड़े अन्य पहलुओं का भी पता चल सके। शक ने दोस्ती के गहरे रिश्ते में घोल दिया जहर... एक की गई जान, दूसरा गिरफ्तार प्रयागराज के अटाला में शनिवार सुबह सेराज की हत्या के बाद से इलाके में सन्नाटा है। सेराज की जान किसी और ने नहीं बल्कि उसके सबसे करीबी दोस्त अयास ने ले ली। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। अवैध संबंधों के शक ने दोस्ती के गहरे रिश्ते में ऐसा जहर घोला कि एक की जान चली गई और दूसरा पुलिस की गिरफ्त में है। अयास की पत्नी ने बताया कि पति और सेराज अच्छे दोस्त थे, दोनों साथ उठते-बैठते थे। सेराज पति की आर्थिक समेत अन्य तरह की मदद करता था। करीब दस दिन पहले अयास ने अपनी पत्नी की पिटाई की थी। उसने खुल्दाबाद थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। दरोगा ने सेराज से अयास के साथ थाने आने के लिए कहा था। जब सेराज ने अयास से थाने चलने के लिए कहा तो उसे इस बात का अंदाजा हो गया कि उसकी पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई है। इससे नाराज होकर उसने पत्नी की दोबारा पिटाई की और घर से चला गया। अयास की पत्नी ने बताया कि शनिवार सुबह पति चाकू लेकर घर से निकला। वह कुछ समझ पाती, इससे पहले ही बाहर से चीखने की आवाज आने लगी। जब वह बाहर पहुंची तो देखा कि अयास चाकू से सेराज पर वार कर रहा था। जब तक लोग पहुंचे, सेराज गिर चुका था और अयास मौके से फरार हो चुका था। वहीं सेराज की पत्नी रूबी का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रेमी का कत्ल: बहन से थी लकी की दोस्ती... भाई ने दोस्तों के साथ मिलकर युवक को पीट-पीट कर मार डाला

कानपुर के रावतपुर में युवक को लाठी-डंडों से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। गोपाल टावर चौराहे पर शनिवार देर रात 12:15 बजे यह वारदात हुई। प्रेम प्रसंग के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। इक सवार 10 से 12 युवकों ने युवक पर हमला किया।कानपुर के रावतपुर क्षेत्र में शनिवार देर रात बाइक सवार 10 से 12 युवकों ने 22 वर्षीय लकी की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना रात 12:15 बजे गोपाला चौराहे पर हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह प्रेम प्रसंग बताया जा रहा है। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी, एसीपी कल्याणपुर रंजीत सिंह और फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।गोपाला टावर निवासी राज बहादुर का इकलौता बेटा लकी देर रात चौराहे के पास मोबाइल पर बातें कर रहा था। इस बीच बाइक सवार 10 से 12 युवक आए और देखते ही देखते उस पर हमला कर दिया। अचानक लाठी-डंडे चलने से आसपास खड़े लोग भी हिम्मत नहीं कर सके। लकी पर हमला करने के बाद बाइक सवार उसे धमकी देकर फरार हो गए। आसपास के लोगों ने उसके मोबाइल से परिजनों को सूचना दी। पिता और अन्य रिश्तेदार लकी को लेकर कार्डियोलॉजी अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिवार में मां लक्ष्मी और छोटी बहन पूजा है। बहन से थी लकी की दोस्ती- पिता ने रावतपुर कच्ची बस्ती निवासी रोहित चौहान और उसके साथियों पर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि उसकी बहन से लकी की दोस्ती थी। दोनों एक दूसरे के घर भी आते-जाते थे। रोहित ने दोस्तों के साथ बेटे पर हमला किया है। रोहित नाम के युवक और उसके साथियों पर आरोप- रावतपुर इंस्पेक्टर मनोज कुमार मिश्रा ने बताया कि परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं मिली है। उन्होंने रोहित नाम के युवक और उसके साथियों पर आरोप लगाया है। चौकी इंचार्ज ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं। एफआईआर दर्ज की जा रही है। लकी दादानगर फैक्टरी में काम करता था।

नगर निगम के कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी, शहर में नहीं उठा कूड़ा

बरेली में नगर निगम के कर्मचारियों की हड़ताल जारी है। वे नगर निगम में हंगामा और तोड़फोड़ करने वाले एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई की मांग पर अड़े हुए हैं। हड़ताल के कारण सफाई व्यवस्था ठप है। तीसरे दिन भी शहर में कूड़ा नहीं उठाया गया।बरेली के नगर निगम परिसर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन और हंगामे के बाद उपजा विवाद थमा नहीं है। नगर निगम के कर्मचारियों की हड़ताल तीसरे दिन भी जारी है। कर्मचारियों ने नगर निगम में एकत्र होकर विरोध प्रदर्शन किया। विद्यार्थी परिषद के विरुद्ध नारेबाजी की और आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग उठाई। निगम कर्मचारियों की हड़ताल के चलते शनिवार को भी शहर में कूड़े का उठान नहीं हुआ है। सड़कों पर जगह-जगह गंदगी पसर गई हैनगर निगम में कर्मचारियों के अनिश्चितकालीन धरना के बीच उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं जनजाति आयोग के सदस्य उमेश कठेरिया उन्हें मनाने पहुंचे। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को नगर निगम में जो घटना घटित हुई है, वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नगर आयुक्त का व्यवहार से किसी को कोई समस्या नहीं होती है। कुछ लोग ऐसे हैं, जो नगर निगम की छवि खराब करना चाहते हैं। घटना के पीछे असामाजिक तत्व- कठेरिया - उमेश कठेरिया ने कहा कि विद्यार्थी परिषद अनुशासित संगठन है, लेकिन लगता है कि इस प्रकार की घटना में असामाजिक तत्व हैं, जो भीड़ का हिस्सा बनकर इस तरह का कृत्य करते हैं। कर्मचारियों की हड़ताल पर उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आंदोलन से समाज को दिक्कत होती है। धरने पर बैठे लोगों से बातचीत के माध्यम से समाधान किया जाएगा। इस तरह की घटनाओं को समझदारी से समाधान कराने का काम हमारा है। उधर, कर्मचारियों की हड़ताल के चलते नगर निगम के बाहर वाहन खड़े रहे। शहर में कूड़ा नहीं उठाया गया। शहर में दिखा हड़ताल का असर निगम कर्मियों के साथ ही सफाई कर्मचारियों की हड़ताल का दूसरे दिन व्यापक असर दिखा। शहर के किसी हिस्से में झाड़ू नहीं लगी। मुख्य मार्गों से लेकर गली-मोहल्लों की सड़कों पर कूड़ा बिखरा रहा। डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन भी ठप रहा। हड़ताल में निगम के सभी वाहनों के चालक भी शामिल रहे। इसलिए सभी 800 वाहनों के पहिये थमे रहे। तीसरे दिन भी यही हाल रहा। बता दें कि रोज शहर से करीब 3000 टन कूड़ा निकलता है।

96 धर्मस्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाए, 206 की ध्वनि की कम कराई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। 1583 लाउडस्पीकर चेक किए गए, जिनमें 302 नियमों का उल्लंघन पाया गया। 96 लाउडस्पीकर जब्त किए गए और 206 की आवाज कम कराई गई। एसएसपी ने चेतावनी दी है कि बिना अनुमति दोबारा लगाए गए लाउडस्पीकरों पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। मानक के विपरीत लाउडस्पीकर को लेकर पुलिस ने एक बार फिर कार्रवाई शुरू कर दी है। शनिवार को पुलिस ने 28 थाना क्षेत्रों में 1583 लाउडस्पीकर चेक किए, जिनमें 302 नियमों का उल्लंघन करते मिले। बता दें कि एडीजी लॉ एंड ऑर्डर अमिताभ यश ने धर्मस्थलों पर मानकों के विपरीत और तेज आवाज में बजने वाले लाउडस्पीकरों के खिलाफ तीन दिन अभियान चलाकर कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। अभियान के पहले दिन शनिवार को पुलिस टीमों ने जनपद के 28 थाना क्षेत्रों में सुबह से ही धर्मस्थलों पर लगाए लाउडस्पीकरों की संख्या और आवाज की जांच शुरू कर दी। इस दौरान 302 लाउडस्पीकर मानकों के विपरीत मिले।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

दहेज हत्या के आरोपियों को थाना गलशहीद पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ/ वादिनी निवासी थाना गलशहीद क्षेत्रान्तर्गत ने अभियुक्तगण द्वारा वादिनी की पुत्री से दहेज में 03 लाख रूपये व आॅटो रिक्शा की मांग करने, मांग पूरी न होने पर वादिनी की पुत्री के गले में दुपट्टे का फंदा बनाकर हत्या कर देने के संबंध में थाना गलशहीद पर तहरीर दी, तहरीर के आधार पर थाना गलशहीद पर मु0अ0सं0-107/2025 धारा-85,80(2) बीएनएस व 3/4 दहेज प्रतिषेध अधिनियम पंजीकृत किया गया । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, मुरादाबाद के निर्देशानुसार अपराध नियंत्रण, कानून एवं शान्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत दिनांक 09-11-2025 को थाना गलशहीद पुलिस द्वारा अभियुक्तगण 1-जहीर पुत्र अमीर निवासी महेन्दी का तिराहा असालतपुरा थाना गलशहीद जनपद मुरादाबाद 2-सादमा पत्नी जहीर निवासी महेन्दी का तिराहा असालतपुरा थाना गलशहीद जनपद मुरादाबाद को गिरफ्तार किया गया । अन्य आवश्यक कार्यवाही प्रचलित है ।

खेल प्रेमियों के लिए इस बार बरेली में नवंबर का महीना नंबर बन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पी0एम0 श्री राजकीय इंटर कॉलेज बरेली में 11 नवंबर से शुरू हो रही 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय वॉलीबाल अंडर-17 बालक-बालिका प्रतियोगिता 2025-26 में देशभर से खिलाड़ी जुटने लगे हैं। 15 नवंबर तक चलने वाले इस पांच दिवसीय खेल महाकुंभ में देश के कोने-कोने से प्रतिभागी अपने कौशल और फिटनेस का दमखम दिखाएंगे।इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में 45 राज्यों और 12 केंद्र शासित प्रदेशों की कुल 70 टीमें भाग ले रही हैं। बालक वर्ग में 36 टीमें और बालिका वर्ग में 34 टीमें मैदान में उतरेंगी। प्रतियोगिता में कुल 836 खिलाड़ी अपना हुनर दिखाएंगे, जबकि 146 कोच और टीम मैनेजर खिलाड़ियों को जीत का मंत्र सिखाएंगे।यह पहला मौका है जब बरेली इतनी बड़ी राष्ट्रीय स्तर की विद्यालयीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं - मैदानों की लेवलिंग, नेट की फिटिंग, स्टेडियम की सजावट और दर्शकों के बैठने की व्यवस्था को लेकर प्रशासन और शिक्षा विभाग के अधिकारी लगातार मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक और आयोजन समिति के सदस्य खिलाड़ियों के स्वागत की तैयारियों में जुटे हुए हैं।इस भव्य आयोजन के लिए बरेली पहुंचने वाले खिलाड़ियों और कोचों के ठहरने की व्यवस्था स्थानीय विद्यालयों और छात्रावासों में की गई है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुलिस प्रशासन ने भी पुख्ता इंतज़ाम किए हैं। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देशन में प्रतियोगिता स्थल और आसपास के इलाकों में विशेष पुलिस बल की तैनाती की जा रही है, ताकि प्रतिभागियों को किसी तरह की असुविधा न हो।प्रतियोगिता में कई राज्यों की टीमें अपनी पुरानी प्रतिद्वंद्विता को फिर से जीवित करेंगी। दर्शकों के लिए यह एक रोमांचक अनुभव होगा, जब देश के अलग-अलग हिस्सों के युवा खिलाड़ी बरेली की मिट्टी पर जीत की जंग लड़ेंगे। आयोजन समिति का कहना है कि इस प्रतियोगिता से न केवल खेलों के प्रति युवाओं में उत्साह बढ़ेगा, बल्कि राष्ट्रीय एकता और सौहार्द का संदेश भी फैलेगा।हालांकि कुछ प्रदेश इस बार प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इनमें अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मेघालय, नागालैंड और सिक्किम शामिल हैं। वहीं, केंद्र शासित प्रदेशों में अंडमान-निकोबार, दमन-दीव और दादरा-नगर हवेली, तथा यूनिट वर्ग से डीएबी ने भागीदारी से दूरी बनाई है।प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर राज्य और केंद्र सरकार के कई अधिकारी, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, खेल प्रशिक्षक और स्थानीय जनप्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।

सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत व सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के दृष्टिगत यातायात पुलिस द्वारा की गयी प्रभावी कार्यवाही

क्यूँ न लिखूँ सच / शैलेंद्र कुमार पांडेय / शासन के निर्देशानुसार सड़क दुर्घटनाओं एवं उनसे होने वाली मृत्यु की संख्या में 50त्न की कमी लाए जाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस बहराइच द्वारा जनपद में लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक लखनऊ - बहराइच राजमार्ग पर तेज गति से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान स्पीड राडार यंत्र द्वारा वाहनों की गति की जाँच की गई। निर्धारित गति सीमा से अधिक गति से वाहन चलाते पाए गए कुल 30 वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार चालान की कार्यवाही की गई तथा उन पर कुल ?62,000/- रुपये का अर्थदंड अधिरोपित किया गया। यातायात पुलिस बहराइच आमजन से पुनः अपील भी की गयी कि वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा एवं यातायात नियमों का पालन करें, सड़क सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी है तथा नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है।

जेल में बिगड़ी विहिप संगठन मंत्री की तबीयत, जिला अस्पताल में भर्ती; इस मामले में हुई गिरफ्तारी

पीलीभीत में जेल भेजे गए विहिप संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ की शनिवार रात तबीयत बिगड़ गई। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रिंस गौड़ के खिलाफ एडीएम ने मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया था। पीलीभीत में एडीएम वित्त एवं राजस्व की ओर से दर्ज कराए मुकदमे में गिरफ्तारी के बाद विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के विभाग संगठन मंत्री प्रिंस गौड़ की शनिवार रात जिला जेल में तबीयत बिगड़ गई। जेल चिकित्सक की सलाह पर उसे जिला अस्पताल में आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद से प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में हलचल तेज हो गई है।एडीएम वित्त एवं राजस्व ऋतु पूनिया ने शुक्रवार को सदर कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि विहिप के संगठन मंत्री ने उन पर झूठे आरोप लगाकर उनकी छवि धूमिल करने का प्रयास किया। जानमाल को खतरा पहुंचाने का प्रयास कर सकते हैं। एक कॉलोनी में उनकी मां और ससुर के नाम प्लॉट होने की बात कही, जबकि मां और ससुर का कई वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। एडीएम की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शनिवार को प्रिंस गौड़ को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया। जेल में देर रात उसकी तबीयत बिगड़ गई। जिला अस्पताल में कराया गया भर्ती - जेल अधीक्षक राजेश पांडेय ने बताया कि चिकित्सक की सलाह पर सुरक्षा के बीच प्रिंस गौड़ को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के वार्ड में चिकित्सक उपचार कर रहे हैं। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस भी तैनात की गई है। इधर, संगठन मंत्री की गिरफ्तारी के बाद विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ पदाधिकारी सक्रिय हो गए। ब्रज प्रांत के सह प्रांत प्रमुख धर्म प्रसाद भी जिला अस्पताल पहुंचे और विभाग संगठन मंत्री से घटना की जानकारी ली।

प्रयागराज के नितेश ने लीक कराए थे डीएलएड के पेपर, एसटीएफ व सर्विलांस की टीम जाएगी तलाशने

सीओ महेश कुमार का कहना है कि अभी नितेश की सही लोकेशन नहीं मिल पा रही है। इतना पता चला है कि वह प्रयागराज का रहने वाला है।डीएलएड (डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन) के पेपर लीक मामले में फरार सरगना नितेश पांडेय प्रयागराज का रहने वाला है। एसटीएफ व सर्विलांस की मदद से विवेचना शुरू करते हुए थाना पुलिस ने यह जानकारी जुटा ली है। उसकी तलाश के लिए एक टीम को प्रयागराज भेजा जा रहा है। यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि उसने पेपर कहां से लीक कराया था। वहीं लीक हुए पेपर के सत्यापन का क्रम अभी जारी है।एसटीएफ ने मंगलवार को इगलस क्षेत्र के गांव नगला हरिकरना के दो भाइयों धमेंद्र कुमार और पुष्पेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इन पर टेलीग्राम के माध्यम से डीएलएड प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के प्रश्नपत्र आउट करने वाले गिरोह के नितेश पांडेय से पेपर मंगाकर सॉल्व करने व परीक्षार्थियों को बेचने का आरोप है। दोनों ने 80 परीक्षार्थियों को पेपर बेचना स्वीकारा।सर्विलांस की मदद व एसटीएफ की जांच में इतना पता चल पाया है कि नितेश पांडेय प्रयागराज का रहने वाला है। अभी उसका सही ठिकाना खोजा जा रहा है। मोबाइल नंबर की मदद से जो पता सामने आया है, वह फर्जी लग रहा है। उसके पकड़े जाने पर ही स्पष्ट होगा कि नितेश ने पेपर कहां से लीक कराया था। हालांकि, साइबर टीम की जांच में इतना पता चला है कि वह पेपर शुरू होने के पंद्रह मिनट पहले इन दोनों भाइयों को भेजता था। वहीं जिन लोगों ने पेपर खरीदे थे, उनके सत्यापन का काम जारी है। सीओ महेश कुमार का कहना है कि अभी नितेश की सही लोकेशन नहीं मिल पा रही है। इतना पता चला है कि वह प्रयागराज का रहने वाला है।

दूसरों के नाम से सिम खरीदकर बुरका पहनकर एटीएम से निकालते थे पैसे, चार गिरफ्तार किए गए

शातिर गिरोह के खुलासे से पुलिसकर्मी भी दंग रह गए। अपराधी लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ देने की बात कहकर बुलाते थे और ठगी करते थे।बाराबंकी के कोठी कस्बे में जनसेवा केंद्र पर बुजुर्गों के मोबाइल फोन से सिम निकालकर ठगी करने वाले शातिर गिरोह का खुलासा पुलिस ने किया है। गिरोह का तरीका इतना चालाकी भरा था कि यह लोग दूसरे के नाम पर सिम खरीदकर बुजुर्गों के नाम पर यूपीआई आईडी बनाते थे और फिर बुरका पहनकर लखनऊ में एटीएम से रुपये निकालते थे।एसपी अर्पित विजयवर्गीय ने रविवार को पुलिस लाइन सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि अजोवा गांव के बुजुर्ग जगदीश शरण के बैंक खाते से 1.19 लाख रुपये निकाले जाने की शिकायत पर जांच शुरू की गई थी। साइबर सेल और कोठी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई कर गिरोह के चार सदस्यों इनायतपुर निवासी रंजीत कुमार, कुतुबापुर निवासी सलीम, अजोवा निवासी नौमीलाल और नौबस्ता गांव के सिम विक्रेता हेमंत श्रीवास्तव को गिरफ्तार किया।रंजीत कोठी में पंजाब नेशनल बैंक के पास जनसेवा केंद्र चलाता था। वहां आने वाले बुजुर्गों के मोबाइल फोन से सिम बदलकर वह अपने साथियों के साथ मिलकर ठगी करता था। यूपीआई आईडी बनाने के लिए जिन सिम कार्डों का इस्तेमाल किया जाता था, वे हेमंत श्रीवास्तव की दुकान से खरीदे गए फर्जी सिम होते थे। पुलिस ने आरोपियों के पास से 38 मोबाइल फोन, लैपटॉप, प्रिंटर, लाखों रुपये की मोबाइल एक्सेसरीज और 30 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। सरकारी योजनाओं का लालच देकर बुलाते थे जन सेवा केंद्र- पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी नौमीलाल सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने का झांसा देकर लोगों को जनसेवा केंद्र बुलाता था। वहां रंजीत उनके मोबाइल फोन से सिम निकालकर अपने गिरोह के माध्यम से ठगी करता था। बरामद सामान साइबर ठगी से अर्जित धन से खरीदा गया है।

यूपी में एक और भाजपा नेता का मर्डर: आतिशबाजी के शोर में दब गई गोली की आवाज, चारपाई के नीचे था खून ही खून

सहारनपुर के टिडौली में भाजपा नेता की सोते समय गोली मारकर हत्या कर दी गई। भाजपा नेता को माथे से सटाकर गोली मारी गई थी। खून से लथपथ शव चारपाई पर पड़ा मिला। परिजनों ने किसी से रंजिश से इन्कार किया है।उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के टिडौली गांव में शुक्रवार देर रात भाजपा अनुसूचित मोर्चा अंबेहटा के मंडल अध्यक्ष धर्म सिंह कोरी (65) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली उनके माथे से सटाकर मारी गई। खून से लथपथ शव उनके घेर में चारपाई पर पड़ा मिला। परिजनों ने किसी के साथ भी रंजिश से इन्कार किया है। हत्यारोपियों को पकड़ने के लिए तीन टीमें बनाई गई हैं।धर्म सिंह कोरी के बेटे सुशील कोरी भाजपा में महामंत्री हैं। वह वार्ड 19 से जिला पंचायत चुनाव लड़ने की भी तैयारी कर रहे हैं। सुशील कोरी ने बताया कि रोजमर्रा की तरह उनके पिता घेर में सो रहे थे। शनिवार सुबह सुशील की पत्नी नीलम पशुओं का दूध निकालने घेर में गई। वहां पर चारपाई के नीचे खून पड़ा देखा। खून देखकर नीलम ने घबराकर शोर मचा दिया। अन्य परिजन भी वहां पहुंचे। उन्होंने धर्म सिंह के मुंह से रजाई हटाकर देखा। धर्म सिंह के माथे पर गोली मारी गई थी। घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। एसपी देहात सागर जैन, सीओ नकुड़ अशोक कुमार सिसौदिया समेत अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे। दोपहर बाद डीआईजी अभिषेक सिंह ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर मुआयना किया। सुशील कोरी ने बताया कि उनके परिवार की किसी के साथ कोई रंजिश नहीं है। फिर पिता की हत्या किसने और क्यों की इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। पुलिस ने अज्ञात में मामला दर्ज कर लिया है। एसपी देहात सागर जैन ने बताया कि हत्या के खुलासे के लिए पुलिस की तीन टीमें गठित की गई है। शीघ्र ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा। हत्याकांड के खुलासे की मांग को लेकर लगाया जाम-भाजपा नेता धर्म सिंह कोरी की हत्या के खुलासे की मांग को लेकर ग्रामीणों ने महिलाओं के साथ गंगोह अंबेहटा मार्ग पर जाम लगाया। पोस्टमार्टम के बाद शव गांव पहुंचने से पहले ही ग्रामीण आक्रोशित हो गए तथा उन्होंने जाम लगा दिया। ग्रामीण हत्याकांड के खुलासे की मांग कर रहे थे। मौके पर मौजूद एसडीएम नकुड़ सुरेंद्र सिंह, एसपी देहात सागर जैन और विधायक चौधरी किरत सिंह ने ग्रामीणों को उचित कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत किया। इसके बाद ग्रामीणों ने जाम खोल दिया। करीब दस मिनट तक जाम लगा रहा। इसके बाद गमगीन माहौल में शव का अंतिम संस्कार किया गया। आतिशबाजी के शोर में दब गई गोली की आवाज - टिडौली गांव में भाजपा नेता धर्म सिंह कोरी की हत्या को पूरे योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया गया। शुक्रवार रात गांव में दो जगह शादी थी, जिसमें लोग आतिशबाजी कर रहे थे। बेटे सुशील कोरी ने बताया कि रात 11 बजे तक वह पिता के साथ घेर में थे। इसके बाद पिता को चाय देकर घेर के पास स्थित घर में सोने चले गए थे। रात करीब दो बजे कुत्तों के भौंकने की आवाज सुनाई दी, लेकिन तब समझा कि शादी में बाहर से मेहमान आए हैं शायद उन्हें देखकर कुत्ते भौंक रहे थे। वह कहते हैं कि यदि कुत्तों के भौंकने पर सचेत हो जाते तो शायद पिता को बचाया जा सकता था। हत्यारों ने आतिशबाजी का ही फायदा उठाया। इससे लग रहा है कि हत्याकांड में कोई आसपास का ही शामिल है। जिसे पता था कि गांव में आज दो जगह शादी है और आतिशबाजी के शोर में गोली की आवाज भी नहीं सुनाई देगी। तीन साल से सक्रिय राजनीति में थे धर्म सिंह कोरी करीब 25 साल पहले धर्म सिंह कोरी अंबेहटा में कपड़े सिलाई का काम करते थे। उसके बाद उन्होंने गांव में ही खेती करनी शुरू कर दी। 14 साल पहले धर्म सिंह कोरी ने भाजपा का दामन थामकर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया। उनकी पत्नी का करीब 15 साल पहले निधन हो चुका है। जनप्रतिनिधि समेत सांत्वना देने वालों का लगा तांता- धर्म सिंह की कोरी की हत्या के बाद उनके आवास पर सांत्वना देने वालों का तांता लगा हुआ है। गंगोह विधायक चौधरी किरत सिंह, नकुड़ विधायक मुकेश चौधरी, जिला उपाध्यक्ष चौधरी सत्यपाल सिंह, पूर्व विधायक महीपाल सिंह माजरा समेत अन्य लोग भी पहुंचे। जनप्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि हत्यारों को जल्दी से जल्दी पकड़वाया जाएगा। संगठन को भेजी गई रिपोर्ट = जिलाध्यक्ष- भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. महेंद्र सिंह सैनी ने बताया कि यह बेहद दुखद घटना है। धर्म सिंह कोरी भाजपा अनुसूचित मोर्चा अंबेहटा मंडल के अध्यक्ष थे। इस पूरे घटनाक्रम की रिपोर्ट संगठन के उच्च पदाधिकारियों को भेजी गई है। संगठन हमेशा पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कराई जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश को भेजा धमकी भरा ईमेल... सिपाही के फोन से टाइमर लगाकर भेजा

आरोपी लखनऊ जेल में बंद है। मामले में पेशी पर आने के दौरान सिपाही का फोन इस्तेमाल किया गया। दोनों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। सोशल मीडिया पर ट्रेडिंग के नाम पर सात लाख लोगों से करीब 3700 करोड़ रुपये की ठगी के आरोपी अनुभव मित्तल का एक और कारनामा सामने आया है। उसने जेल में बंद एक अन्य आरोपी को फंसाने के लिए सिपाही के मोबाइल फोन से इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश को ईमेल भेज दिया। इसमें लिखा कि हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के एक जज की हत्या होने वाली है।हाईकोर्ट की ओर से जानकारी देने पर पुलिस आयुक्त लखनऊ ने साइबर सेल और क्राइम ब्रांच से मामले की जांच कराई। पता चला कि जिस फोन से ईमेल किया गया, वह पुलिस लाइन में तैनात सिपाही अजय कुमार का है। इसके बाद अजय से पूछताछ की गई। अजय ने बताया कि चार नवंबर को वह बंदी अनुभव मित्तल को लेकर पेशी पर गया था। अनुभव ने केस का स्टेटस जानने के लिए फोन मांगा था। इसी दौरान उसने फोन में नई ईमेल आईडी बनाई। जांच में सामने आया कि अनुभव ने सेटिंग में जाकर टाइमर लगाया। इस वजह से ईमेल आटोमेटिक अगले दिन पांच नवंबर को सुबह 8÷50 बजे महेंद्र कुमार के नाम से न्यायाधीश के पास चला गया।पुलिस ने छानबीन की तो अनुभव मित्तल की करतूत सामने आई। इसके बाद जेल चौकी इंचार्ज अरविंद कुमार ने गोसाईंगंज थाने में अनुभव मित्तल और सिपाही अजय कुमार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। जेल प्रशासन ने भी जांच शुरू कर दी है। शुक्रवार को जेल के अधिकारियों ने छानबीन भी की। इस मामले में डीआईजी जेल डॉ. रामधनी से बात करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। हत्या के मामले में बंद आरोपी को फंसाने की थी साजिश- कैंपबेल रोड ठाकुरगंज निवासी आनंदेश्वर अग्रहरि पत्नी की हत्या के आरोप में दिसंबर 2023 से जेल में बंद है। वह जेल अस्पताल में नर्सिंग (राइटर) का काम करता है। अनुभव की आनंदेश्वर से किसी बात को लेकर टेंशन चल रही है। पुलिस के सूत्र बताते हैं कि अनुभव ने उसे फंसाने के लिए यह साजिश रची। महेंद्र कुमार के फर्जी नाम से उसने ईमेल में लिखा कि जेल में बंद आनंदेश्वर मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता है। वह कई गलत कामों में लिप्त है। उसने लखनऊ बेंच में जमानत के लिए अर्जी दी थी। दो बार जमानत अर्जी निरस्त हो चुकी है। इससे वह नाराज है। जमानत अर्जी खारिज करने वाले लखनऊ बेंच के जज की हत्या की साजिश रच रहा है। इसके लिए उसने दो बंदियों को जिला अस्पताल में भर्ती भी कराया था। दोनों कुछ दिन पहले रिहा हो गए हैं। इसलिए आनंदेश्वर के क्रियाकलापों की जांच कराई जाए। अनुभव पर दर्ज हैं 324 मुकदमे- अनुभव मित्तल पर 3700 करोड़ घोटाले के मामले में कुल 324 मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी की पत्नी आयुषी व पिता सुनील मित्तल भी आरोपी हैं और जिला जेल में बंद हैं। अनुभव मित्तल को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया था। वह फरवरी 2017 से जेल में बंद है।

घर में घुसकर किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म, तेजाब पिलाने से बिगड़ी हालत

जलालपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में 16 वर्षीय किशोरी से तीन युवकों ने सामूहिक दुष्कर्म कर उसे तेजाब पिलाने का मामला सामने आया है। गंभीर हालत में पीड़िता को झांसी मेडिकल कॉलेज से लखनऊ रेफर किया गया है। पुलिस ने एक नाबालिग आरोपी को हिरासत में लिया है।परिजनों के मुताबिक, 28 अक्तूबर की रात करीब 12 बजे गांव के तीन युवक घर की दीवार फांदकर छत के रास्ते अंदर घुसे और सो रही किशोरी को ऊपर कमरे में ले गए। आरोप है कि तीनों ने मिलकर दुष्कर्म किया और विरोध करने पर उसे तेजाब पिला दिया। बेहोशी की हालत में परिजनों ने किशोरी को सरीला सीएचसी पहुंचाया, वहां से उसे उरई मेडिकल कॉलेज, फिर झांसी और बाद में लखनऊ रेफर कर दिया गया। झांसी में करीब 12 दिन इलाज के बाद भी हालत में सुधार नहीं हुआ। लखनऊ अस्पताल में सर्जरी के लिए आठ लाख रुपये की मांग और दवाएं बाहर से लाने की बात कहने पर परिवार बेटी को हमीरपुर जिला अस्पताल लेकर आए, यहां से उसे कानपुर हैलट भेजा गया।थाना प्रभारी जलालपुर पवन पटेल ने बताया कि घटना की जानकारी सात नवंबर को मिली थी। पुलिस टीम ने झांसी अस्पताल में महिला उपनिरीक्षक की मौजूदगी में पीड़िता का बयान वीडियोग्राफी के साथ दर्ज किया। एक नाबालिग आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, तेजाब पिलाने, जान से मारने की धमकी आदि धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की गई है। सीओ सरीला राजकुमार पांडेय ने बताया कि बाल अपचारी को न्यायालय में पेश किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। गैंगरेप के मामले में कहा कि पुलिस को दिए बयान में एक युवक का ही जिक्र है, जो नाबालिग है। पिता बोले, मेहनत मजदूरी करके चलाते हैं घर खर्च- पीड़ित किशोरी के पिता का कहना है कि मेहनत मजदूरी करके जैसे तैसे घर का खर्च चलाते हैं। जमीन जायजाद कुछ नहीं है। ऐसे में आठ लाख रुपये छोड़िये अस्सी हजार भी इलाज पर खर्च नहीं कर सकते। मेरी बेटी जिंदगी और मौत से जूझ रही है। जमी -जायजाद होती तो बेच कर बिटिया का इलाज कराता। अब करें भी तो क्या, कुछ समझ में नहीं आ रहा

सुहागरात से पहले दूल्हे की मौत: दुल्हन विदा कर लाया घर... रात 2 बजे बिगड़ी तबीयत, धरी रह गई वलीमे की तैयारी

रविवार को होने वाले वलीमे की सभी तैयारियां धरी रह गईं। दूल्हे की मौत के बाद शादी की खुशियां काफूर हो गईं। घटना की जानकारी होने पर शहरवासी अचंभित रह गए।उत्तर प्रदेश के अमरोहा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। पहुंचे दूल्हे गुड्डू उर्फ परवेज (38) की एक घंटे बाद वलीमे की सभी तैयारियां धरी रह गईं। दूल्हे की जानकारी होने पर शहरवासी अचंभित रह गए। बिना है। मृतक दूल्हे गुड्डू उर्फ परवेज आलम मोहल्ला नोगजा चलाने वाले गुड्डू उर्फ परवेज आलम के माता-पिता आलम के साथ उनके छोटे भाई पप्पू भी रहते थे। गुड्डू उर्फ परवेज आलम की बरात गई थी। मोहल्ला हुआ। रविवार को मोहल्ला नल स्थित मैरिज हॉल में रस्म-अदायगी के बाद दुल्हन को लेकर बरात घर की तबीयत बिगड़ गई। इसके बाद परिजन गुड्डू उर्फ तबीयत में सुधार नहीं होने पर उन्हें जोया रोड स्थित डॉक्टरों ने उन्हें मुरादाबाद के लिए रेफर कर दिया। परवेज आलम को मृत घोषित कर दिया। शादी की दुल्हन बनी सायमा को जैसे ही पति गुड्डू उर्फ परवेज बेहोश होकर घर में गिर पड़ी। परिवार के लोगों ने थोड़ी देर में बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो

यहां निकाह की औपचारिकता के बाद दुल्हन को घर लेकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रविवार को होने वाले मौत के बाद शादी की खुशियां काफूर हो गईं। घटना की पुलिस कार्रवाई के दूल्हे के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया के रहने वाले थे। जामा मस्जिद रोड पर किताबों की दुकान और बड़े भाई की मौत पहले ही हो चुकी है। गुड्डू उर्फ परवेज शनिवार की रात मोहल्ला नल नई बस्ती स्थित एक मैरिज हॉल में बड़ा दरबार के रहने वाले बाबू की बेटी सायमा से उनका निकाह वलीमे का कार्यक्रम था। शनिवार की रात एक बजे निकाह की लौटी थी। करीब दो बजे अचानक दूल्हे गुड्डू उर्फ परवेज आलम परवेज आलम को लेकर नजदीकी अस्पताल में पहुंचे। यहां एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन यहां से भी यहां एक निजी अस्पताल में पहुंचने के बाद डॉक्टरों ने गुड्डू उर्फ रात दूल्हे की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। उसी रात आलम की मौत की खबर मिली तो वह बदहवास हो गई। किसी तरह शादी के जोड़े में सजी दुल्हन सायमा को संभाला। गई। हर कोई दूल्हे गुड्डू उर्फ परवेज आलम की मौत की वजह जानने को लालायित दिखा। चर्चा है कि मृतक दूल्हे गुड्डू उर्फ परवेज आलम का शरीर पीला पड़ा हुआ था। हालांकि, परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई के शव को सुपुर्द-ए-खाक कर दिया। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने घटना की जानकारी से इनकार किया है।

बाल नोंचे, गाली दी और प्राचार्य ने पीटा... पुलिस ने की बदसलूकी, वीडियो जारी कर छात्र ने खुद को लगाई आग

मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना के डीएवी कॉलेज में एक छात्र की प्राचार्य ने पिटाई कर दी। पुलिस ने भी छात्र के साथ अभद्रता की। इससे आहत छात्र ने कक्षा में खुद को आग लगा ली। छात्र गंभीर रूप से झुलस गया है। झुलसे छात्र को दिल्ली में भर्ती कराया गया में बागपत जिले के भड़ल निवासी बीए द्वितीय वर्ष के छात्र के लिए प्राचार्य ने पीटा। इसके बाद पुलिस ने उसके साथ की कक्षा में ही पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। नाराज छात्रों ने कॉलेज के गेट पर हंगामा किया। मेरठ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।उज्ज्वल ने आग लगाने के मोहल्ला खाकरोबान में परिवार के साथ रह रहे उज्ज्वल ने लगाया कि सात नवंबर को प्राचार्य प्रदीप कुमार ने अपने के नाम पर पांच हजार रुपये जमा करने की बात कही। शुल्क विश्वविद्यालय में ऑनलाइन जमा कर चुका है। एक की फीस भी जमा करा देगा। इसपर प्राचार्य ने पहले अपने उसके बाद कॉलेज के गेट पर लाकर उसकी पिटाई की। शिकायत की। कॉलेज पहुंची पुलिस ने भी उसके साथ छात्र उज्ज्वल कॉलेज पहुंचा और सुबह करीब 11 बजे साथी छात्रों ने किसी तरह आग बुझाई और करीब 80 हालत में पहले मेरठ फिर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में बताया कि पीड़ित की बहन की ओर से प्राचार्य प्रदीप है। मौके पर डीएम और एसएसपी भी पहुंच गए।बाल के बुढ़ाना में छात्र उज्ज्वल राणा ने वायरल वीडियो में कहा

है।मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना के डीएवी कॉलेज उज्ज्वल राणा को पांच हजार रुपये की फीस अभद्रता की। इससे क्षुब्ध हुए छात्र ने कॉलेज गंभीर हालत में दिल्ली ले जाया गया। इससे सरधना निवासी प्राचार्य प्रदीप कुमार के से पहले वीडियो में लगाए आरोप बुढ़ाना आग लगाने से पहले जारी वीडियो में आरोप ऑफिस बुलवाया और यूनिवर्सिटी फीस उसने प्राचार्य को बताया कि वह परीक्षा सप्ताह में गन्ने का भुगतान मिलने पर कॉलेज दफ्तर में गाली गलौज करते हुए पीटा और मुख्यमंत्री, एसडीएम और पुलिस से बदसलूकी की। अगले दिन शनिवार को अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगा ली। फीसदी जले छात्र को सीएचसी से गंभीर भर्ती कराया। सीओ गजेंद्र पाल सिंह ने कुमार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया नोंचे, गाली दी और पीटा- मुजफ्फरनगर कि मेरे साथ ऐसी घटना हुई, जिसने मुझे तोड़कर रख दिया। प्राचार्य प्रदीप कुमार ने मेरे साथ अपमानजनक व्यवहार किया। मुझे गाली दी, मेरे बाल नोंचे और मेरी पिटाई की। मैंने सिर्फ गरीब और असहाय छात्र, जो फीस नहीं होने के कारण परीक्षा फार्म जमा नहीं कर पा रहे थे, उनकी मदद करने के लिए आवाज उठाई थी। इसकी सजा अपमान कर और डरा-धमकाकर दी गई। न्याय की बात की तो कॉलेज में पुलिस बुला ली गई। पुलिसकर्मी धर्मवीर, नंद किशोर और विनीत, जिनसे मुझे मदद की उम्मीद थी, उन्होंने भी मुझे गालियां दी। मुझे डराने-धमकाने की कोशिश की। इन सबके शब्दों ने मेरी आत्मा को गहरी ठेस पहुंचाई है। मुझे तोड़ दिया। ईमानदारी और कानून के प्रति सच्चाई की कड़ी टूट गई है। मैं खुद से ही सवाल पूछने लगा हूं कि क्या सच्चाई के लिए आवाज उठाना गलत है। में दर्द से गुजर रहा हूं लेकिन डरूंगा नहीं। यदि में आत्महत्या करता हूं तो इसका दोष प्राचार्य, पुलिसकर्मी नंद किशोर, धर्मवीर और विनीत पर होगा।

20 साल में पुरुषों में बढ़ा 30 फीसदी नपुंसकता, विशेषज्ञ बोले- सोशल मीडिया नुस्खों से घट रहा स्पर्म काउंट

एसोसिएशन ऑफ सर्जन्स ऑफ इंडिया की यूपी एएसआईकॉन-2025 में मुख्य कारण अत्यधिक मानसिक तनाव और सोशल मीडिया पर बताए पुरुष नपुंसकता के रोगी 30 फीसदी बढ़े हैं। इनमें शुक्राणुओं की संख्या इंडिया की यूपी एएसआईकॉन-2025 में विशेषज्ञों ने बताया कि तनाव से युवाओं में शुक्राणुओं का प्रतिशत घट रहा है।बिठूर के एक होटल में हाइपोथैलेमस के नीचे पिट्यूटरी ग्रंथि होती है। इसके हार्मोस के रिसाव के प्रभाव से पिट्यूटरी ग्रंथि का रिसाव प्रभावित होता है। इससे शुक्राणुओं के कार्य को टेस्टीस्टेरोन, एफएसएच, एलएच हार्मोन प्रभावित करते हैं। हो रहे हैं, तो पति और पत्नी दोनों को जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया

विशेषज्ञों ने बताया कि पिछले 20 वर्षों मं पुरुषों में नपुंसकता के रोगी 30त्न तक बढ़े हैं। इसका जा रहे यौनवर्धक नुस्खों का सेवन है।पुरुषों में नपुंसकता की समस्या बढ़ रही है। 20 वर्षों में कम हो रही है। शुक्राणुओं की क्वालिटी भी गिरती जा रही है। एसोसिएशन सर्जंस ऑफ नपुंसकता की समस्या बढ़ी है। सोशल मीडिया पर बताए जा रहे यौनवर्धक नुस्खों के सेवन से आयोजित यूपी एएसआईकॉन के दूसरे दिन डॉ. मो. असलम ने बताया कि मस्तिष्क में का प्रभाव अंडकोष पर आता है और शुक्राणुओं का निर्माण होता है। अत्यधिक मानसिक तनाव की क्वालिटी और संख्या प्रभावित होती है।29 फीसदी केस में हो जाता है गर्भधारण-अंडकोष इनका संतुलन बिगड़ने से स्पर्म काउंट घट जाता है। ऐसे में अगर किसी दंपती के बच्चे नहीं कि लो स्पर्म काउंट के मामले में विशेष तकनीक अपनाने पर 29 फीसदी केस में गर्भधारण हो जाता है।बांझपन का शिकार लोग इलाज से ठीक हो जा रहे हैं- पिट्यूटरी ग्रंथि में ट्यूमर, जेनेटिक डिस्ऑर्डर से भी स्पर्म काउंट प्रभावित होता है। अपने मन से मेडिकल स्टोर से दवा लेकर खाने वालों, गांजा, धूम्रपान और दूसरे नशे लेने वालों का भी स्पर्म काउंट नीचे आ जाता है। नशा स्पर्म की क्वॉलिटी को घटा देता है। उन्होंने बताया कि सोशल मीडिया के नुस्खों का इस्तेमाल करने से बांझपन का शिकार लोग इलाज से ठीक हो जा रहे हैं।

चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में बेलगाम अधिकारी-कर्मचारी मचा रहे उत्पात, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े बोलीं - बहुत जल्द लगेगा जनसमस्या निवारण शिविर

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। छत्तीसगढ़ की महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा है कि चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में अधिकारी-कर्मचारी बेलगाम होकर उत्पात मचा रहे हैं, जनता की समस्या बहुत गंभीर है। मंत्री श्रीमती राजवाड़े शुक्रवार को उन्होंने ग्रामीणों से भेंट कर उनकी परेशानियाँ सुनीं कि इस दूरस्थ अंचल में जनसुविधाओं का अभाव दी हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी-कर्मचारियों का कार्यकर्ता भी परेशान हैं। उन्होंने यह भी स्वीकार रही हैं। राजवाड़े ने कहा - यहाँ की स्थिति चिंताजनक कर रहे हैं। बहुत जल्द जनसमस्या निवारण शिविर विश्राम के दौरान मंत्री ने बिहारपुर क्षेत्र का निरीक्षण बैठक में कार्यकर्ताओं ने बताया कि क्षेत्रीय कार्यालयों विभागों में कामकाज पूरी तरह ठप है। मंत्री राजवाड़े नहीं चलने दिया जाएगा। अधिकारियों की जवाबदेही ग्रामीणों का कहना है कि लंबे समय से क्षेत्र के आम जनता को हर छोटी-बड़ी सुविधा के लिए बाद प्रशासनिक हलकों में हलचल मच गई है। अब कर्मचारियों पर लगाम कब लगती है, या फिर ग्रामीणों

अपने एकदिवसीय प्रवास पर ग्राम बिहारपुर पहुँचीं, जहाँ और क्षेत्र की जमीनी हकीकत को समझा। मंत्री ने बताया और प्रशासनिक लापरवाही ने आम लोगों की मुश्किलें बढ़ा रवैया गैरजिम्मेदाराना है, जिससे जनता के साथ-साथ भाजपा किया कि क्षेत्र में रिश्वत और भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल है। अधिकारी-कर्मचारी जनता की सेवा के बजाय मनमानी लगाकर सभी शिकायतों का समाधान कराया जाएगा। रात्रि किया और सुबह भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक ली। में अधिकारी आम नागरिकों की सुनवाई नहीं करते। कई ने नाराज़गी जताते हुए कहा कि अब इस स्थिति को और तय होगी और दोषी पाए जाने पर सख्त कार्रवाई होगी। अधिकारी-कर्मचारी अपने हिसाब से काम कर रहे हैं, जिससे चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। फिलहाल मंत्री के इस बयान के देखना यह होगा कि बिहारपुर में उत्पात मचाए बैठे अधिकारी-की यह परेशानी यूँ ही जारी रहेगी..?

संक्षिप्त समाचार

स्कूटी पर जा रहे ट्रांसपोर्टर पर गिरा बिजली का खंभा, सिर से छूटा खून का फव्वारा, मौके पर मौत

ट्रांसपोर्टनगर में स्थित राजधानी ट्रांसपोर्ट के मालिक सुनील कुमार स्कूटी पर घर जा रहे थे। बिजली विभाग के कर्मचारी खंभा बदलने का काम कर रहे थे। तभी हादसा हो गया। लहूलुहान सुनील को देखकर परिजन

बिलख पड़े। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला आदर्श कॉलोनी में स्कूटर पर जा रहे ट्रांसपोर्टर सुनील कुमार के सिर पर बिजली का खंभा गिर गया। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। परिजनों ने हंगामा कर शव नहीं उठाने दिया। सड़क पर खून ही खून बिखरा पड़ा था। आदर्श कॉलोनी निवासी सुनील कुमार की ट्रांसपोर्ट नगर में राजधानी के नाम से ट्रांसपोर्ट है। रविवार दोपहर वह ट्रांसपोर्ट से अपने घर आ रहे थे। इसी बीच उनके ऊपर बिजली का खंभा गिर गया। लोगों ने बताया कि घटनास्थल पर विद्युत विभाग के कर्मचारी खंभा बदल रहे थे।नया खंभा लगाने के बाद पुराने खंभे को उखाड़कर क्रेन से उठाया जा रहा था। क्रेन का तार टूटने से खंभा ट्रांसपोर्टर सुनील कुमार के ऊपर गिर गया। सुनील के सिर पर खंभा लगने ही खून का फव्वारा छूट गया और वे लहूलुहान होकर मौके पर ही गिर गए। सूचना पाकर काफी लोग इकट्ठा हो गए। परिजनों ने विभाग विद्युत विभाग अधिकारी को मौके पर बुलाने की मांग करते हुए हंगामा किया और शव नहीं उठाने दिया। कुछ लोगों ने बताया कि सूचना देने के एक घंटे बाद एंबुलेंस मौके पर पहुंची। सुनील को समय से अस्पताल भी नहीं ले जाया जा सका। पुलिस का कहना है कि तहरीर आने पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, पिता-पुत्र की मौत; रिश्तेदारी में जा रहे थे दोनों

बदायूं के सहसवान-बिसौली मार्ग पर शनिवार शाम हादसा हो गया। गांव सुल्तानपुर के पास ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों रिश्तेदारी में गोदभराई की रस्म में शामिल होने जा रहे थे। बदायूं के सहसवान-बिसौली मार्ग पर

शनिवार शाम हादसा हो गया। गांव सुल्तानपुर के पास ट्रक की टक्कर लगने से बाइक सवार पिता-पुत्र की मौत हो गई। दोनों रिश्तेदारी में गोदभराई की रस्म में शामिल होने जा रहे थे। गांव रिसौली निवासी धर्मेंद्र वाल्मीकि (47 वर्ष) अपने बेटे अजय कुमार (18 वर्ष) के साथ बाइक से भांजे की गोदभराई में शामिल होने सहसवान जा रहे थे। मृतक के दूसरे बेटे अनिल कुमार ने बताया कि उनके फुफेरे भाई की गोदभराई की रस्म सहसवान में थी। पिता व छोटा भाई बाइक से वहां जाने को घर से गए थे। सुल्तानपुर गांव के पास हुआ हादसा -शनिवार शाम सहसवान-बिसौली मार्ग पर सुल्तानपुर गांव के पास उनकी बाइक को सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे अजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। उनके पिता को राजकीय मेडिकल कॉलेज लाया गया। जहां से डॉक्टर ने गंभीर हालत में सैफई रेफर कर दिया। परिवार के लोग उनको इलाज के लिए ले जा रहे थे। रास्ते में उनकी भी मौत हो गई। पिता-पुत्र की मौत की सूचना पर परिवार व रिश्तेदारी में मातम छा गया। पोस्टमॉर्टम के बाद रविवार को पिता-पुत्र के शव घर पहुंचे तो परिजन बिलख उठे। उधर, पुलिस ने ट्रक को थाने में खड़ा करा लिया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच
को जिला एवं तहसील स्तर पर
ब्यूरो संवाददाता व विज्ञापन
प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Delhi Sees a Huge Surge in Dengue Cases: Do Not Ignore These Symptoms

Dengue cases are rapidly increasing in Delhi these days. A total of 72 cases have been reported from different parts of Delhi in the last week alone. So, let's learn about the early symptoms of dengue and what precautions should be taken in this article. The surge in dengue cases in the capital city of Delhi is alarming. According to the weekly report released by the MCD, 1136 cases of dengue have been registered so far in 2025, and two deaths have also been reported. Dengue cases have increased rapidly in October. Early and Main Symptoms - The most common early symptom of dengue is a high fever that suddenly reaches up to 104°F. Along with this, the patient experiences unbearable pain in the muscles, joints, and bones, which is also called 'breakbone fever'. Severe headache, pain behind the eyes, and fatigue are also primary symptoms. Serious Warning Signs - Serious warning signs appear 24 to 48 hours after the fever subsides, which should not be ignored at all. These include severe abdominal pain, persistent vomiting, bleeding from the gums or nose, and extreme fatigue. Loss of appetite and feeling very weak are also symptoms. In children, irritability and constant crying can also be a serious symptom. Falling Platelet Count - The biggest concern in dengue is the rapid drop in platelet levels. Platelets help in preventing bleeding. If the platelet level falls below 1 lakh, medical supervision is necessary. In such a situation, it is best to remain under a doctor's supervision. Preventive Measures - The most effective way to prevent dengue is to avoid mosquito bites. Do not allow water to accumulate around your surroundings, and pay special attention to cleanliness. Regularly clean coolers, flower pots, and other containers. Wear full-sleeved clothing, use mosquito repellent cream, and use a mosquito net at night. While 208 new cases were reported in September, this number had reached 307 by October 25th. The fact that 72 new cases were reported in just the last week indicates that the dengue infection has now spread alarmingly to almost every zone of the capital. This situation is particularly serious because the changing weather and intermittent rains are leading to rapid mosquito breeding. Dengue fever, which is spread by the bite of the Aedes mosquito, is not just a common fever; it can take a severe form, known as dengue hemorrhagic fever or dengue shock syndrome. Experts say that along with the increase in cases, the number of patients with severe dengue is also rising. It is extremely important that citizens recognize the early and severe symptoms so that timely medical treatment can be started and the risk to life can be minimized. Treating these symptoms at home, mistaking them for a common viral infection, can be extremely dangerous.

Caution! Check immediately: Has your PAN card become inactive?

Just like the Aadhaar card, the PAN card is also essential. But is your PAN card active? Has it become deactivated or inactive? Many documents are extremely important these days, and if any of these documents are missing, you may face problems. Without these documents, many of your government and non- government tasks may get stalled. For example, the most important document currently is your Aadhaar card, which you need for many tasks. But there is another document that is equally important, and that is your PAN card. If you don't have a PAN card, many of your tasks may get stuck. There are many situations where you need a PAN card. For example, whether you want to take a loan from a bank, NBFC, or any app, or make a transaction of more than Rs. 50,000 in a bank, open a bank account, or for income tax purposes, you need a PAN card. But do you know if your PAN card is active? Because your PAN card can become inactive due to several reasons. So, let's find out how you can check this. You can learn more about this in the following slides... Has your PAN card become inactive? Here's how you can check: Step 1 - Your PAN card may have become inactive. You can check whether your PAN card is inactive or not. To check this, you first need to go to the official website of the Income Tax Department, incometaxindiaefiling.gov.in. Step 2 - Now that you are on the website, you need to go to the left side. You will see many options there, but you need to go to the 'Quick Links' section. Here you will see several options, but you have to click on the 'Verify PAN Status' option. Step 3 - Now a small form will open in front of you which you have to fill. First, you have to enter your PAN number here. After that, you have to enter your full name as it appears on the PAN card. Then you have to enter your date of birth. Step 4 - After this, you have to enter your 10-digit mobile number. Now you will receive an OTP on the mobile number you entered, which you have to enter. After that, you have to click on 'Validate'. Then the status of your PAN card will appear on the screen.

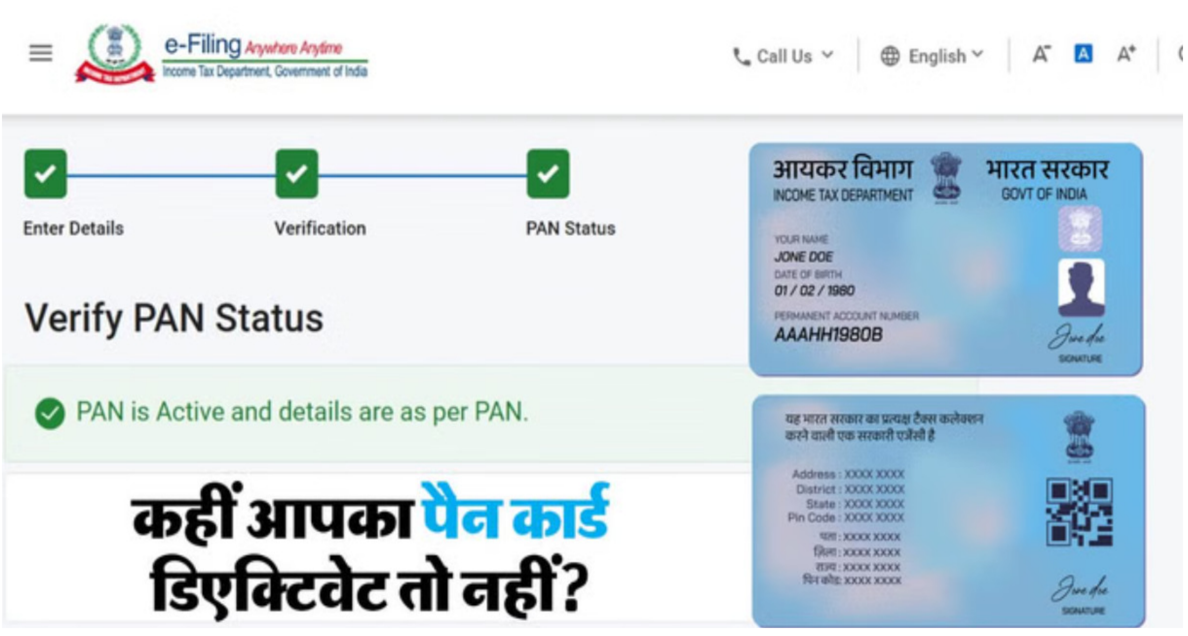

These Women's Cricket Team Players Are Also Stars in Style and Glamour, You Can Take Tips From Them Too

Recently, Team India made history by defeating South Africa and winning the Women's World Cup for the first time. The era when cricket was called a gentleman's game is over, because recently, the daughters of India have become world champions in the world of cricket. In fact, the Indian Women's Cricket Team recently broke a 52-year-old record by winning the World Cup. After this victory, social media was flooded with reels. People are loving the Indian Women's Cricket Team and showering them with love on their social media accounts. Looking at their social media accounts, it becomes clear that the Indian Women's Cricket Team is making its mark not only on the field but also in terms of fashion and style. The team's star players are often in the spotlight for their looks and dressing sense. Every player has her own unique fashion style, which fans love. The team's fitness, confidence, and glamorous style present them not only as athletes but also as fashion icons. Today, we are going to show you some stunning and trendy looks of the Indian Women's Cricket Team, which will make you want to adopt their style ideas. Harmanpreet Kaur: First, let's look at the captain of the Indian cricket team, Harmanpreet Kaur, who is quite famous for her stylish looks. As you can see in the picture, in the first look, she has carried the denim jacket in a very different style, while in the second look, her formal look is also amazing. Smriti Mandhana - Known for her beautiful looks and explosive innings, Smriti is extremely beautiful. She is often seen in ethnic outfits. Look at her ethnic look in the picture, in which she wore a lovely suit. In the second look, she wore a beautiful co-ord set, which looks quite lovely. Arundhati Reddy - Arundhati Reddy, famous for her bowling and fielding in cricket, is also second to none in terms of style. She often shares pictures of herself in a tomboy look, and people absolutely love this style of hers. Her tomboy look is quite different from others. Jemimah Rodrigues - Jemimah Rodrigues, who wins hearts with her cute smile as well as her skills in sports, is also second to none when it comes to looks. She is equally comfortable carrying off both sarees and cool, casual looks. Jemimah looks just as beautiful in a saree as she does in her casual outfits. Radha Yadav - Finally, let's take a look at Radha Yadav, who achieved success by ignoring all the criticism. Radha's looks are glamorous, and her ethnic looks are also quite beautiful. For example, Radha looks very glamorous in this co-ord set, while she carried this ethnic look during a Garba night.

What is Zohran Mamdani's connection to Bollywood? His mother gave Irrfan Khan his first break; her film was nominated for an Oscar.

Zohran Mamdani has become the youngest mayor of New York City. His mother is a famous Indian American filmmaker. Find out what the new mayor of New York's connection to Bollywood is. Zohran Mamdani has He is the youngest person to do so. He is of New York. He is the son of Indian very happy with her son's achievement. Mira Nair. Where was Zohran Mamdani Mitch Epstein in 1977, but they divorced scientist Mahmood Mamdani. The for her film 'Mississippi Masala', where married in 1991. Mira and Mahmood Mamdani. Zohran was born in for becoming the new mayor of New nominated for an Oscar. Talking about mother of New York's new mayor popular films. In the film 'Salaam opportunity; it became his debut film. In Released in 1988, the film 'Salaam Oscar Award. This film was selected in category. The film also received Golden Globe, and Filmfare. Mira Nair Besides 'Salaam Bombay', she has

become the new mayor of New York City. also the first Muslim to become the mayor American filmmaker Mira Nair. Mira is Learn more about Zohran Mamdani and born? Mira Nair married photographer before 1991. Later, Mira met political filmmaker went to Uganda for research she met Mahmood Mamdani. They got Mamdani had a son, named Zohran Kampala, Uganda. Now he is in the news York. Mira Nair's 'Salaam Bombay' was the filmmaking career of Mira Nair, the Zohran Mamdani, she has made many Bombay', Mira gave Irrfan Khan his first it, Irrfan played the role of a letter writer. Bombay' was also nominated for an the Best Foreign Language Film nominations at awards like BAFTA, has directed several acclaimed films. directed films such as Monsoon Wedding, Vanity Fair, The Namesake, The Perez Family, Amelia, and Queen of Katwe. Tabu and Irrfan Khan played the lead roles in 'The Namesake'.

Amidst marriage rumors, Mahima Chaudhry reacts to the viral video, smilingly saying this

Recently, after a video surfaced, discussions about Mahima Chaudhry's second marriage began. Now, the actress has reacted to the viral video. Actress Mahima Chaudhry has given many memorable performances in her career. went viral in which she was seen in a Mishra. This video created a sensation as surfaced, it was said that Mahima had get married for the second time. But soon light. Now Mahima has reacted to the viral video - Actually, this viral video of of her upcoming film 'Durlabh Prasad Ki Wednesday, when the actress was she was questioned about her viral video smiled and simply asked them to watch about to begin - In 'Durlabh Prasad Ki be seen in a lead role opposite actor of Mahima and Sanjay's film shared the Along with this, the makers wrote in the get ready, because the wedding procession you or a little further away.' Release date Siddhant Raj Singh, 'Durlabh Prasad Ki wants to get his widowed father married

Recently, a video of Mahima Chaudhry wedding outfit with actor Sanjay soon as it came out. After the video found love again and was now going to the truth about the video also came to viral video. Mahima's response to the Mahima was related to the promotion Doosri Shaadi'. Meanwhile, on captured by the paparazzi's cameras, and marriage rumors. To this, Mahima the film. The wedding procession is Doosri Shaadi', Mahima Chaudhry will Sanjay Mishra. Last month, the makers motion poster of the film on Instagram. caption, 'The bride has been found. Now is about to begin. In a cinema hall near not yet announced - Directed by Doosri Shaadi' is the story of a son who again. Sanjay Mishra has played the role of that father in the film. However, the release date of the film has not yet been announced.

Rani Chatterjee Bags Another Film, Begins Shooting After Puja Ceremony; The Title Is Interesting

This year has been fantastic for Bhojpuri actress Rani Chatterjee. She has shot for several films back-to-back. Now, another film has landed in her lap. Bhojpuri actress Rani Chatterjee celebrated her 36th birthday on November 3rd. After the birthday celebrations, she immediately got back to work. From today, Wednesday, she has started shooting for a new Bhojpuri film. The title of this film is 'UP Wali Bihar Wali'. Rani shared glimpses of the film's puja ceremony. She said, 'A very lovely story and character.' Actress Rani shared a video on her Instagram account today, Wednesday, which is from the film's puja ceremony. In the video, Rani Chatterjee can be seen participating in the puja with the film's cast and crew. Along with this, she wrote in the caption, 'Starting a new film with my favorite team. 'UP Wali Bihar Wali', a very lovely story and character, in which my co-stars are Sanjana, Prashant, and Alok. The film's director is Manjul ji and the producer is Sandeep ji Manjul ji.' Fans Congratulate Rani - The title of Rani's film is quite interesting, which suggests that it will showcase glimpses of both UP and Bihar cultures. The film's story is also probably based on this. The film is being directed by Manjul Thakur. Apart from Rani, the film will also feature Sanjay Pandey, Prashant Singh, Alok Singh Rajput, Lalit Upadhyay, Vidya Singh, Shweta Verma, and Gopal Chauhan. Rani's fans are excited about the film's announcement and are congratulating the actress. Rani Debuted in 2004 - The year 2025 has been fantastic for Rani's career. She has given

several films, including 'Suhagin', 'Chugalkhor Bahuriya', 'Parinay Sutra', 'Priya Beauty Parlor', and 'Amma'. Talking about Rani Chatterjee's career, she started her career in 2004 with 'Sasura Bada Paisawala'. This film was a blockbuster at the box office.